राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 34 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,04 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

सीबीएसई 10वीं परिणाम घोषित

99.04 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं कक्षा के परिणाम की घोषणा मंगलवार को कर दी गई और 99.04 प्रतिशत छात्र इसमें उत्तीर्ण हुए हैं। लड़कियों ने लड़कों को 0.35 प्रतिशत से पीछे छोड़ा है।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अनुसार, परीक्षा में 57,824 छात्रों के 95 प्रतिशत से अधिक अंक, 2,00,962 छात्रों ने 90 से 95 प्रतिशत के बीच अंक हासिल किए। त्रिवेंद्रम क्षेत्र ने सर्वाधिक 99.99 प्रतिशत, बेंगलुरु में 99.96 प्रतिशत और चेन्नई 99.94 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। भोपाल 99.47 प्रतिशत के साथ आठवें स्थान पर आया है। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने का कि 16,639 छात्रों के परिणाम अब भी तैयार किए जा रहे हैं। इस साल 'मेरिट लिस्ट' की घोषणा नहीं की जाएगी। कुल 17,636 छात्रों की 'कम्पार्टमेंट' आई है। दिव्यांग एवं मानसिक रूप से अक्षम 53 छात्रों ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और 224 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। विदेशों में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों में 99.92 फीसदी छात्र 10वीं में उत्तीर्ण रहे। केन्द्रीय विद्यालय और तिब्बती स्कूल प्रशासन के तहत आने वाले केन्द्रीय विद्यालयों ने पिछले साल क्रमशः 99.23 प्रतिशत और 93.67 प्रतिशत के मुकाबले इस साल 100 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। जवाहर नवोदय विद्यालयों में इस साल 99.99 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में क्रमशः 96.03 और 95.88 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। निजी स्कूलों के पास प्रतिशत में पिछले साल की तुलना में छह प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। भारद्वाज ने कहा कि कंपार्टमेंट के लिए परीक्षा 16 अगस्त से 15 सितम्बर के बीच आयोजित की जाएगी।

लड़कियां लड़कों से आगे

इस बार मेरिट लिस्ट नहीं आएगी

- लड़कियों ने लड़कों को 0.35 प्रतिशत से पीछे छोड़ा
- परीक्षा में 57,824 छात्रों के 95 प्रतिशत से अधिक अंक
- 2,00,962 छात्रों ने 90 से 95 प्रतिशत के बीच अंक
- 16,639 छात्रों के परिणाम अब भी तैयार किए जा रहे हैं
- कुल 17,636 छात्रों की 'कम्पार्टमेंट' आई है

☞ त्रिवेंद्रम क्षेत्र ने सर्वाधिक 99.99 प्रतिशत
☞ बेंगलुरु में 99.96 ☞ चेन्नई 99.94
☞ भोपाल 99.47% के साथ आठवें स्थान पर

विपक्षी सांसदों संग नाश्ते के बाद साइकिल पर सवार होकर संसद पहुंचे राहुल गांधी

नई दिल्ली । पेगासस जासूसी मुद्दे को लेकर कार्यवाही बाधित होने और संसद में विरोध प्रदर्शन के बीच और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार सुबह विपक्ष के नेताओं की ब्रेकफास्ट मीटिंग की. इस सप्ताह यह ऐसी दूसरी बैठक थी. कोरोना महामारी को हैंडल करने में सरकार की कथित नाकामी और किसान आंदोलन इस बैठक में चर्चा के अन्य मुद्दे थे. बैठक संसद के बाहर मॉक पार्लियामेंट आयोजित करने के विकल्प पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी. नए कृषि कानूनों के खिलाफ संसद तक सरप्राइज ट्रैक्टर मार्च के करीब एक सप्ताह बाद 51 वर्षीय राहुल ने साइकिल की सवारी करके पेट्रो उत्पादों की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया. उन्होंने अन्य सांसदों से भी इसमें भागीदारी का आग्रह किया.

राहुल ने कहा, साइकिल से संसद पहुंचकर हम हम इस मुदे पर सरकार का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं. इस दौरान कुछ अन्य नेता भी साइकिल पर सवारी करते नजर आए. तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा, एनसीपी की सुप्रिया सुले, शिवसेना के संजय राउत और डीएमके की कनिमोझी उन नेताओं में शामिल थीं जिन्होंने विपक्ष की इस मीटिंग में हिस्सा लिया.

विपक्षी नेताओं के साथ नाश्ते पर चर्चा के बाद राहुल साइकिल चलाते हुए संसद पहुंचे. उन्होंने साइकिल पर आगे की ओर एक तख्ती लगा रखी थी जिस पर रसोई गैस के सिलेंडर की तस्वीर थी और इसकी कीमत 834 रुपये लिखी हुई थी.उनके साथ लोकसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल, अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन, राजद के मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी और कुछ अन्य सांसद भी साइकिल चलाकर संसद पहुंचे. कांग्रेस प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सैयद नासिर हुसैन ने कहा, राहुल और दूसरे विपक्षी नेताओं ने आम जनता की आवाज उठाई है. लोग महंगाई से परेशान हैं, लेकिन सरकार किसी नहीं सुन रही है. हम संसद के भीतर और बाहर जनता की आवाज उठाते रहेंगे.

इस बैठक में पेगासस जासूसी कांड पर साझा रणनीति बनाई गई. दरअसल, पेगासस के मुद्दे पर मॉनसून सत्र नहीं चल पा रहा है. सरकार विपक्ष पर आरोप लगा रही है, जबकि विपक्ष का कहना है कि सरकार अहम मसलों पर बहस के लिए तैयार नहीं है. राहुल गांधी की बैठक में कांग्रेस, एनसीपी, शिवसेना, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी, माकपा, भाकपा, आईयूएमएल, आरएसपी, केसीएम, जेएमएम, नेशनल कांफ्रेंस, तृणमूल कांग्रेस और एलजेडी ने हिस्सा लिया. आम आदमी पार्टी ने राहुल गांधी की तरफ से बुलाए गए नाश्ते वाली बैठक को अटेंड नहीं किया. आप नेता संजय सिंह का कहना है कि बैठक में जाना या नहीं जाना महत्वपूर्ण नहीं. संसद में जब भी चर्चा होगी, हम किसानों के साथ और जासूसी के खिलाफ खड़े हैं.

सरकार को घेरने की विपक्ष की इस मुहिम के बीच मंगलवार को संसदीय दल की बैठक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया. पीएम ने कहा कि विपक्ष संसद नहीं चलने दे रहा.यह संसद, संविधान, लोकतंत्र और देश की जनता का अपमान है.

इससे पहले, 27 जुलाई को भी बीजेपी संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा था. गौरतलब है कि एनडीए सरकार में सहयोगी जेडीयू के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी पेगासस जासूसी कांड की जांच की मांग की है. उन्होंने कहा कि बहुत दिनों से ये मामला चल रहा है इसलिए जांच हो जानी चाहिए. जांच के बाद सब साफ़ हो जाएगा. विपक्ष भी दो हफ़्तों से इस मुद्दे पर संसद में हंगामा कर रहा है. विपक्ष की मांग है कि पेगासस जासूसी कांड की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए.

विपक्ष का चेहरा बनने की कवायद-सूत्रों ने बताया कि वाम दलों ने सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के तरीके के तौर पर नकली संसद चलाने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, सभी विपक्षी दल इस पर सहमत नहीं हैं। विपक्षी दल पेगासस स्पायवेयर की मदद से जासूसी के आरोपों की अदालत की निगरानी में जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं, सरकार ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया है।

इस मुद्दे पर विपक्षी दलों ने पिछले सप्ताह भी एक बैठक की थी। उसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे। बाद में विपक्षी नेताओं ने एक बयान भी जारी किया था। राहुल गांधी पेगासस मुद्दे पर शुरुआत से आक्रामक हैं। ब्रेकफास्ट पॉलिटिक्स को उनकी विपक्ष के चेहरे के रूप में उभरने की कवायद माना जा रहा है। पिछले हफ्ते राहुल तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की किसानों की मांग के समर्थन में ट्रैक्टर से संसद पहुंचे थे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पिछले हफ्ते दिल्ली दौरे पर थीं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से उनके आवास 10 जनपथ में मुलाकात की थी। मीटिंग में राहुल गांधी भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद ममता ने कहा था कि हमने राजनीतिक परिस्थितियों, पेगासस और कोरोना की स्थिति और विपक्ष की एकता पर चर्चा की। मुझे लगता है कि भविष्य में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

लीडरशिप पर ममता ने कहा था कि अगर विपक्ष की ओर से कोई दूसरा चेहरा सामने आता है तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। जब मामले पर चर्चा होगी तो हम इस पर फैसला करेंगे। मैं नेता नहीं बनना चाहती, बल्कि एक साधारण कैडर बनकर काम करना चाहती हूं।

स्वदेश लौटीं पीवी सिंधु

दिल्ली एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु टोक्यो में ओलंपिक जीतने के बाद मंगलवार को देश लौटीं। सिंधु का दिल्ली एयरपोर्ट पर ढोल नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि देश का नाम रोशन करने को लेकर मैं काफी गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं। लोगों का शुक्रिया। मैं पदक जीत कर आई हूं। इसलिए अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ आइसक्रीम खाऊंगी।

स्वतंत्रता दिवस पर ओलंपिक खिलाड़ी विशेष अतिथि होंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त के मौके पर देश के ओलंपिक टीमों को विशेष अतिथि के रूप में लाल किले पर आमंत्रित करने का फैसला लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि इनका जोश, जुनून और जज्बा आज सर्वोच्च स्तर पर है। बता दें कि इस स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले पर अतिथि के रूप में शामिल हो रही ओलंपिक टीम के सदस्य प्रधानमंत्री के आवास पर भी जाएंगे। यहां उन से प्रधानमंत्री मोदी व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे और बात करेंगे। मंगलवार को गुजरात के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने यह ऐलान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार ओलंपिक्स में भारत के अब तक के सबसे अधिक खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है। इन सभी सफल खिलाड़ियों ने इतनी बड़ी आपदा का सामना करते हुए यह मुकाम हासिल कर लिया है।

लवलीना की खिताबी जंग आज

टोक्यो ओलंपिक में लवलीना बोर्गोहेन का सेमीफाइनल का मुकाबला बुधवार अपरान्ह 11 बजे होगा। लवलीना वेल्टरवेट महिला मुक्केबाजी सेमीफाइनल में विश्व चैंपियन तुर्की की बुसेनाज सुरमेनेली से भिड़ेंगी।

एडिटर्स गिल्ड ने पेगासस मामले में जांच के लिए दायर की याचिका, सुप्रीम कोर्ट से विशेष जांच दल के गठन का किया अनुरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। एडिटर्स गिल्ड आफ इंडिया ने पेगासस जासूसी साफ्टवेयर के जरिये सरकार द्वारा पत्रकारों और अन्य पर कथित तौर पर नजर रखने की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) के गठन का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया कि पत्रकारों का काम है कि वह जनता को सूचना देने और सरकार को जवाबदेह बनाने का काम सुनिश्चित करे।

गिल्ड के सदस्यों और सभी पत्रकारों का कर्तव्य है कि वे राज्य की कार्रवाई और निष्क्रियता के लिए सूचना, स्पष्टीकरण और संवैधानिक रूप से वैध औचित्य की मांग करके सरकार की सभी शाखाओं को जवाबदेह ठहराएं। इसने कहा कि इस भूमिका को पूरा करने के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। याचिका में कहा गया, प्रेस की स्वतंत्रता पत्रकारों की रिपोर्टिंग में सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा हस्तक्षेप नहीं किए जाने पर निर्भर होती है। इसमें सूत्रों के साथ सुरक्षा एवं गोपनीयता के साथ बात करने की उनकी क्षमता, सत्ता के दुरुपयोग एवं भ्रष्टाचार की जांच, सरकारी अक्षमता को उजागर करना और सरकार के विरोध में या विपक्ष से बात करना शामिल है। गिल्ड ने तर्क दिया कि भारत के नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि क्या सरकार संविधान के तहत अपने अधिकार की सीमाओं का अतिक्रमण कर रही है और उनके मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

पेगासस जासूसी मामले में सुप्रीम कोर्ट पांच अगस्त को सुनवाई करेगा- उधर, पेगासस जासूसी मामले में सुप्रीम कोर्ट पांच अगस्त को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण की बेंच में इस मामले की सुनवाई गुरुवार को होगी। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ पत्रकार एन राम और शशि कुमार की ओर से अर्जी दाखिल कर स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण की अगुआई वाली बेंच के सामने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इस मामले पर सुनवाई की जरूरत है। यह नागरिकों की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला है। इसकी सुनवाई जल्दी होनी चाहिए। सिब्बल ने प्रधान न्यायाधीश के सामने बताया कि सरकार ने पेगासस स्पाइवेयर का इस्तेमाल कर विरोधी दलों के नेताओं, पत्रकारों और जजों के फोन टैप किए हैं।

रणजीत सागर में गिरा सेना का हेलीकॉप्टर, दोनों पायलट लापता

पठानकोट (पंजाब), (एजेंसी)। पठानकोट के रणजीत सागर बांध की झील में मंगलवार की सुबह आर्मी की 254 एविएशन स्क्वाड्रन का ध्रुव हेलीकॉप्टर पंजाब और जम्मू-कश्मीर सीमा पर गश्त करते वक्त क्रैश हो गया। वहीं, हेलीकॉप्टर में सवार लेफ्टिनेंट कर्नल और कैप्टन लापता हैं। शाम छह बजे तक भी झील में बचाव अभियान जारी था। बचाव अभियान में पंजाब, जम्मू-कश्मीर पुलिस के अलावा सेना, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें लगी हैं। जानकारी के मुताबिक उक्त ध्रुव हेलीकॉप्टर (एएलएच मार्क-4) ने पठानकोट के मामून कैंट से सुबह 10.20 बजे उड़ान भरी थी। उसमें लेफ्टिनेंट कर्नल एएस भट्ट और कैप्टन जयंत जोशी सवार थे। 30 मिनट बाद अचानक हेलीकॉप्टर नियंत्रण खो बैठा और चालक दल समेत रणजीत सागर झील में समा गया।

रक्षा सेवा विधेयक लोस से पारित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विपक्षी दलों के हंगामे के बीच लोकसभा ने 'अनिवार्य रक्षा सेवा विधेयक, 2021 को मंजूरी दी। रक्षा सेवा बिल के पारित होने से देश रक्षा सामग्रियों के निर्माण और निर्यात में मजबूत होगा। रक्षा सेवा बिल का महत्व देश की सुरक्षा से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर तनाव कायम है। पूर्व में अध्यादेश के रूप में लागू किया गया अनिवार्य रक्षा सेवा बिल देश की समग्र रक्षा चुनौतियों के हिसाब से तैयार किया गया है जिसका फायदा देश को मिलना तय है।

रक्षामंत्री ने बताया महत्व

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा सेवाओं के अनुरक्षण और सशक्त रक्षा उत्पादनों को सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है। इसमें अनिवार्य रक्षा सेवाओं को बनाए रखने और अधिकांश जन जीवन और संपत्ति को सुरक्षित रखने व उससे संबंधित विषयों को शामिल किया गया है। वास्तव में, वर्तमान सरकार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता में है। राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र में महत्वपूर्ण सुधार, सामरिक नीति समूह का गठन, रक्षा अधिग्रहण सहित तमाम मुद्दों पर सरकार ने महत्वपूर्ण पहल को अंजाम दिया है। केंद्र देश को रक्षा क्षेत्र में केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बनाना चाहती है, बल्कि उसका ध्येय देश को रक्षा उत्पादों के निर्यातक के रूप में भी प्रतिष्ठित करना है।

ट्रिब्यूनल रिफॉर्म बिल, 2021 पारित: विपक्ष के विरोध के बीच ट्रिब्यूनल रिफॉर्म बिल, 2021 के पारित होने के बाद मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

सीबीडीटी ने ई-फाइलिंग की समय सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को एक सर्कुलर जारी कर इनकम टैक्स फॉर्म की इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग में आने वाली मुश्किलों को देखते हुए आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कुछ फॉर्म भरने की समय सीमा बढ़ाने की घोषणा की। इसकी वजह इनकम टैक्स पोर्टल इंकमटैक्स.गॉव.इन पर टैक्सपयर्स के सामने आ रही मुश्किलें हैं।

सीबीडीटी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि टैक्सपेयर्स अब फॉर्म 15 सीसी को 31 अगस्त तक दाखिल कर सकते हैं। सीबीडीटी ने इन फॉर्मों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल करने में टैक्सपेयर्स के सामने आने वाली कठिनाइयों को देखते हुए टैक्स दाखिल करने की तारीखों को बढ़ाने का फैसला किया है। सीबीडीटी ने पहले फैसला किया था कि टैक्सपेयर्स ऑथराइज्ड डीलर्स को मैनुअल फॉर्मेट में फॉर्म 15सीए/15सीबी 15 अगस्त 2021 तक सब्मिट कर सकते थे।

त्रिपुरा में उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में बीएसएफ के दो जवान शहीद

नई दिल्ली /अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास मंगलवार को गश्त पर निकले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कर्मियों पर उग्रवादी संगठन नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला किया जिसमें बीएसएफ के दो जवान शहीद हो गए।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीमा सुरक्षा बल ने बताया कि उग्रवादियों ने राज्य के धलाई जिले में सुबह करीब साढ़े छह बजे घात लगाकर हमला किया और शहीद हुए कर्मियों में बीएसएफ का एक उपनिरीक्षक भी शामिल है। जिले के पानीसागर सेक्टर में चावमनू थाना क्षेत्र के अंतर्गत आर सी नाथ सीमा चौकी के पास सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला किया गया, जिसका सुरक्षा बलों ने माकूल जवाब दिया। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि भीषण मुठभेड़ के दौरान उपनिरीक्षक भूरू सिंह और कांस्टेबल राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर उपलब्ध खून के

उपनिरीक्षक भूरू सिंह | कांस्टेबल राजकुमार

नमूनों के अनुसार उग्रवादियों को कथित तौर पर कुछ चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों जवानों ने शहीद होने से पहले पूरी बहादुरी से मुकाबला किया।

प्रवक्ता ने बताया कि उग्रवादियों को पकड़ने के लिए इलाके में व्यापक तलाश अभियान शुरू किया गया है। अधिकारी ने बताया कि उग्रवादी शहीद जवानों के हथियार भी अपने साथ ले गए। एनएलएफटी एक प्रतिबंधित संगठन है।

सशस्त्र बलों के लिए खरीद प्रक्रिया समय की जरूरतों के अनुरूप नहीं : नरवणे

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने मंगलवार को कहा कि सशस्त्र बलों के लिए खरीद प्रक्रिया समय की जरूरतों के अनुरूप नहीं रही। वास्तविक परिवर्तन के लिए नौकरशाही के मामलों में क्रांति लाने की जरूरत है।जनरल नरवणे ने कहा कि नियमों की हावी होने वाली प्रकृति के कारण खरीद प्रक्रिया में कई प्रक्रियात्मक कमियां आ गई हैं। उन्होंने कहा कि सूचना-युग में युद्ध की जरूरतों को औद्योगिक युग की प्रक्रियाओं द्वारा बाधित नहीं होने दिया जा सकता है। यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन आफ इंडिया में अपने संबोधन में जनरल नरवणे ने कहा कि सशस्त्र बल अतीत में विकसित संरचनाओं के साथ अगला युद्ध लड़ने और जीतने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। जरूरत है कि तेजी से फैसले करने को तरजीह दी जाए।

सेना प्रमुख ने कहा, दुर्भाग्य से हमारी खरीद प्रक्रिया समय की जरूरतों के अनुरूप नहीं है। नियमों और विनियमों की हावी होने वाली प्रकृति के कारण अधिग्रहण प्रक्रिया में कई प्रक्रियात्मक खामियां आ गई हैं।

देश के 18 जिलों में बढ़ रहे मामलों ने बढ़ाई चिंता: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली । देश में फिर कोरोना के बढ़ते मामलों और टीकाकरण की स्थिति को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रेस कांफ्रेंस में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि देश में 18 जिले ऐसे हैं जहां पिछले 4 हफ्तों से कोविड मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इन 18 जिलों से देश के 47.5 फीसद कोविड मामले आ रहे हैं। केरल के 10 जिलों से पिछले एक हफ्ते में 40.6 फीसद कोरोना मामले आए हैं। 44 जिले ऐसे हैं जहां मामले की पॉजिटिविटी रेट 10 फीसद से अधिक है। ये जिले केरल, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड में हैं। 1 जून को 279 जिले थे, जहां 100 से अधिक मामले सामने आए थे, लेकिन अब यह 57 जिलों में आ गया है, जहां देश में 100 से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

लव अग्रवाल ने कहा कि 10 मई को देश में 37 लाख सक्रिय मामले थे वह घटकर अब 4 लाख रह गए। एक राज्य ऐसा है जहां 1 लाख से अधिक सक्रिय मामले हैं और 8 राज्य ऐसे हैं जहां 10,000 से 1 लाख सक्रिय मामले हैं। 27 राज्य ऐसे हैं जहां 10,000 से भी कम सक्रिय मामले हैं।

देश में टीकाकरण को लेकर उन्हें होंने कहा कि देश में कुल 47.85 करोड़ खुराकें दी गईं, जिसमें पहली खुराक की 37.26 करोड़ और दूसरी खुराक की 10.59 करोड़ शामिल हैं। कुछ ऐसे राज्य हैं, जहां 3 करोड़ से अधिक टीकाकरण की खुराक की आपूर्ति की गई है। यूपी को 4.88 करोड़ डोज, महाराष्ट्र को 4.5 करोड़ डोज और गुजरात को 3.4 करोड़ डोज दी गई है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि दुनिया भर में बड़ी संख्या में कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं और महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। जहां तक भारत का सवाल है, दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। प्रतिदिन 30 हज़ार से ज़्यादा मामले सामने आ रहे हैं। अभी भी हमें दूसरी लहर को सबसे पहले नियंत्रण करना है।उन्होंने कहा कि प्रजनन (आर) संख्या का उपयोग कर विकास दर और सक्रिय मामलों का भी आकलन किया जाता है। यह संपूर्ण संक्रामक अवधि के दौरान एक संक्रमित व्यक्ति द्वारा उत्पन्न नए संक्रमणों की औसत संख्या है।

उधर, नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल ने कहा कि सीरोसर्वे यह बताने के विशिष्ट उद्देश्य से किया जाता है कि कितने लोगों को कोविड का पिछला अनुभव है।

विवाह के लिए धर्म परिवर्तन जरूरी नहीं: इलाहाबाद हाईकोर्ट

जोधा-अकबर का उदाहरण दिया

इलाहाबाद, (एजेंसी)। यूपी में लव जिहाद के बढ़ते मामलों को लेकर छिड़े विवादों में अब मुगल बादशाह अकबर और उनकी हिन्दू पत्नी जोधाबाई का भी प्रवेश हो गया। इस मामले में अकबर और जोधा की इंट्री इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले से हुई है। हाईकोर्ट ने एटा जिले में शादी के लिए धोखे से कराए गए धर्मांतरण के मामले में फैसला सुनाते हुए अकबर और जोधाबाई के रिश्ते को नजीर यानी उदाहरण के तौर पर पेश किया है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा है कि महज शादी करने के लिए डर-धोखे-लालच व दबाव में किया गया धर्मांतरण कतई सही नहीं होता है। ऐसे धर्मांतरण में पूजा पद्धति तो बदल जाती है, लेकिन धर्म विशेष के प्रति कोई आस्था नहीं होती।

कृषि सहकारी संस्थाओं पर सहकारिता मंत्रालय से प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार में सहकारिता मंत्रालय गठित करने से राज्यों की प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाओं पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा और राज्यों की सहकारी संस्थाओं को मंत्राालय के तहत लाने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने लोकसभा में कांग्रेस के सदस्य एंटो एंटनी के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह टिप्पणी की। एंटनी ने सवाल किया था कि क्या सहकारिता मंत्रालय के गठन से कई राज्यों में प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा? इसके जवाब में शाह ने कहा,जी नहीं।

तेजी से बढ़ रहा है धरती का तापमान, सोलर रेडियो सिग्नल से की जा सकेगी बर्फ के पिघलने की निगरानी

वाशिंगटन। ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों की बर्फ पिघल रही है, जिसके चलते समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। दुनियाभर के विज्ञानी इस बदलाव पर निरंतर नजर रखे हुए हैं। अब इस कार्य में कुछ आसानी हो सकेगी। दरअसल, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक नए तरीके की तलाश की है, जिसकी मदद से बर्फ की परतों की निगरानी की जा सकेगी। इसके लिए विज्ञानियों ने सोलर रेडियो सिग्नल का प्रयोग किया है, जो वर्तमान में मौजूद तरीकों की तुलना में सस्ता और कम ऊर्जा की खपत करने वाला है। इसके जरिये पता लगाया जा सकेगा कि किस तेजी से बर्फ पिघल रही है और उससे समुद्र के जलस्तर में कितना इजाफा होगा।

सूर्य विद्युत चुंबकीय अवस्था का एक कठिन स्रोत प्रदान करता है। गैसों की विशाल गेंदों के जरिये रेडियो आवृत्तियों के व्यापक स्पेक्ट्रम पृथ्वी पर आते हैं। इस प्रक्रिया में विज्ञानियों ने एक शक्तिशाली टूल बनाने का तरीका खोजा है, जिसके जरिये बर्फ और धरती के ध्रुवों पर होने वाले बदलावों की निगरानी की जा सकेगी। इस तकनीक के बारे में जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स नामक जर्नल में विस्तार से बताया गया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, वर्तमान में जिस तकनीक का प्रयोग उपरोक्त चीजों का डाटा एकत्र करने के किया जाता है उसकी तुलना में यह तरीका कम खर्चीला, कम ऊर्जा की खपत करने वाला व ज्यादा व्यापक है। इसके जरिये न केवल बर्फ की चादरों और ग्लेशियरों के पिघलने की व्यापक निगरानी की जा सकेगी, बल्कि समुद्र के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण का पता अधिक सटीकता से लगाया जा सकेगा। ग्लेशियोलॉजिस्ट और इलेक्टिकल इंजीनियरों की टीम ने अपने अध्ययन के माध्यम से दिखाया कि कैसे सूर्य द्वारा कुदरती रूप से उत्सर्जित रेडियो सिग्नल बर्फ की चादरों की गहराई को नापने के लिए एक निष्क्रिय रडार प्रणाली में बदले जा सकते हैं।

अफगानिस्तान के हेलमंड प्रांत में कब्जे को लेकर मचा घमासान, हवाई हमले में मारे गए 77 तालिबानी आतंकी

काबुल। अफगानिस्तान के हेलमंड प्रांत में अफगान सेना और तालिबान के बीच कब्जे को लेकर जबरदस्त जंग छिड़ी हुई है। बीते 24 घंटों के दौरान अफगानिस्तान की वायु सेना के हमले में यहां पर 77 तालिबानी आतंकी मारे गए हैं। इसमें तालिबान के मिलिट्री कमीशन के तीन हैड भी शामिल है। अफगानिस्तान के उप रक्षा मंत्री के प्रवक्ता फवाद अमान ने कहा है कि लश्कारगाह में 77 तालिबानी आतंकी, जिसमें तीन मिलिट्री कमीशन के हैड शामिल है मारे गए हैं। इसके अलावा 22 अन्य घायल हुए हैं। आपको बता दें कि लश्कारगाह हेलमंड प्रांत की राजधानी है। अमान ने बताया है कि पिछले 24 घंटों के दौरान तालिबान के ऊपर अफगान सेना और वायुसेना ने जबरदस्त हमले किए हैं।

इससे पहले अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री ने घोषणा की थी कि लश्कारगाह में अमेरिकी वायु सेना ने तालिबान पर बड़े हमले को अंजाम दिया है। इसमें 40 आतंकी मारे गए हैं। आपको बता दें कि पिछले कुछ सप्ताह के दौरान तालिबान ने अफगानिस्तान के कई जिलों को अपने कब्जे में किया है। यहां पर अमेरिकी और नाटो सेनाओं की वापसी की घोषणा के बाद से ही तालिबान ने इलाके पर अपनी पकड़ मजबूत करने के इरादे से हमले तेज कर दिए हैं। इन सेनाओं की वापसी की शुरुआत के बाद से इन हमलों में जबरदस्त तेजी देखी गई है।

चीनः वुहान में एक साल बाद फिर सुनाई दी कोरोना की आहट, सभी लोगों को करानी होगी जांच

वुहान। एक साल के बाद वुहान में कोरोना संक्रमण का पहला मामला दर्ज किया गया है। महामारी की शुरुआत में ही झेल चुके इस संकट के मामले में सतर्कता बरतते हुए शहर के सभी लोगों का कोविड-19 टेस्ट कराने का फैसला लिया गया है। वर्ष 2019 के अंत में चीन के इसी शहर वुहान में कोरोना वायरस के संक्रमण का पहला मामला दर्ज हुआ था जिसके बाद के दो-तीन माह में ही इसने पूरी दुनिया को संक्रमित कर दिया और 11 मार्च 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित कर दिया था। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वुहान में अधिकारियों ने कहा कि वुहान शहर की पूरी आबादी का कोविड-टेस्ट कराने का निर्णय लिया है क्योंकि यहां पहला स्थानीय संक्रमण का मामला एक साल से भी अधिक समय के बाद मिला है। वरिष्ठ अधिकारी ली ताओ ने कहा कि सभी निवासियों का न्यूक्लिक एसिड टेस्टिंग शुरू किया जा रहा है।

सख्तीः अमेरिका का आदेश-

तीन सितंबर से पहले 24 रूसी राजनयिकों को छोड़ना होगा देश

वाशिंगटन। अमेरिका ने 24 रूसी राजनयिकों को वीजा खत्म होने के कारण देश छोड़ने का आदेश दिया है। अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंतोनोव ने बताया कि इन रूसी राजनयिकों को वीजा खत्म होने के कारण यह आदेश दिया गया। इन सभी को तीन सितंबर तक देश छोड़कर जाना होगा। समाचार एजेंसी ने रूसी राजदूत अनातोली के हवाले से बताया कि लगभग सभी राजनियक अमेरिका छोड़ देंगे क्योंकि अमेरिका ने वीजा जारी करने की प्रक्रियाओं को कड़ा कर दिया है।

वहीं इन राजनयिकों के स्थान पर दूसरे राजनयिकों भी रूसी दूतावास में तैनात नहीं हो सकेंगे क्योंकि अमेरिका से इन्हें वीजा नहीं मिला है। दिसंबर 2020 में अमेरिका और रूस के बीच समझौता हुआ था। इसमें कहा गया था कि रूस के राजनयिक अमेरिका में तीन वर्षों तक रह सकेंगे। जब वीजा की अवधि समाप्त हो जाती है तो लोगों से देश छोड़ने या विस्तार के लिए आवेदन करने की उम्मीद की जाती है। वॉशिंगटन की पत्रिका 'द नेशनल इंटरेस्ट' के साथ बातचीत में अनातोली एंतोनोव ने बताया कि, 'जहां तक हमें पता है, यह नियम किसी और देश पर नहीं लागू होता है।'

इस संदर्भ मेंअमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अनातोली की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि, 'रूसियों के लिए वीजा की वैलिडिटी पर तीन साल की सीमा कोई नई बात नहीं है।' मालूम हो कि इससे पहले अप्रेल में रूसी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी डिप्लोमेटिक मिशन पर रूसी नागरिकों को हायर करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। ये रूस के राजनयिकों को अमेरिका से

बाहर जाने का आदेश सामने आने के बाद किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय ने अप्रैल 2021 में अमेरिकी प्रतिबंधों और रूसी राजनयिकों के निष्कासन के जवाब में रूस या तीसरे देशों के नागरिकों को प्रशासनिक और तकनीकी पदों पर भर्ती करने से अमेरिकी राजनयिक मिशनों पर पूरी तरह से बैन लगाने की घोषणा की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने 15 अप्रैल को चुनावी हस्तक्षेप और साइबर हमले में रूसी भागीदारी को लेकर 10 रूसी राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था।

कोरोना के असर से शिक्षा पर संकट

दुनिया में 15.60 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे

2.5 करोड़ बच्चे कभी स्कूल नहीं लौट पाएंगे; यूएन ने जताई चिंता

वाशिंगटन। कोरोना संकट के कारण दुनिया के करीब 15.60 करोड़ बच्चे अब भी स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। इनमें से करीब 2.5 करोड़ बच्चे कभी स्कूल नहीं लौट पाएंगे। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यह आशंका जताई है। गुटेरेस ने सोशल मीडिया पर कहा- 'कोरोना काल में दुनिया शिक्षा के संकट से गुजर रही है। स्कूल बंद हैं। हमें डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जो भविष्य में बच्चों की शिक्षा के काम आए।'

दुनियाभर में 60 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा पाए

यूनिसेफ के प्रवक्ता जेम्स एल्डर ने कहा- कोरोनाकाल में दुनिया भर में 60 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा सके। एशिया और प्रशांत क्षेत्र के करीब 50फीसदी देशों में 200 दिनों से स्कूल बंद हैं। दक्षिण अमेरिका के करीब 18 देशों में भी पूर्ण या आंशिक रूप से स्कूल बंद हैं। पूर्वी और दक्षिण अफ्रीकी देशों में 5 से 18 साल

की उम्र के 40त्न बच्चे और युवा स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 8 करोड़ बच्चों को यह सुविधा नहीं मिल पा रही है।

यूनिसेफ की रिपोर्टः 14 देशों में सालभर बंद रहे अधिकतर स्कूल

यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2020 से फरवरी 2021 तक दुनिया के 14 देशों में बड़े पैमाने पर स्कूल बंद रहे। इसमें भारत भी शामिल रहा। इस दौरान इन देशों के 16.80 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा सके। सबसे ज्यादा दिनों तक पनामा में स्कूल बंद रहे। इसके बाद बांग्लादेश का स्थान रहा। रिपोर्ट में यूरोप और उत्तरी अमेरिकी देशों का उल्लेख नहीं है।

अमेरिकाः भारतीय मूल की 11 साल की लड़की नताशा ने लहराया परचम

दुनिया की सबसे प्रतिभाशाली छात्रा बनी

वाशिंगटन। अमेरिकी विश्वविद्यालय ने भारतीय मूल की एक लड़की को दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली छात्रों में से एक घोषित किया है। 11 वर्षीय भारतीय मूल की अमेरिकी छात्रा नताशा पेरी न्यू जर्सी के थेल्मा एल सैंडमीयर एलीमेंट्री स्कूल की छात्रा है।

उसे एसएटी और एसीटी मानकीकृत परीक्षाओं में असाधारण प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। दोनों परीक्षाओं में नताशा पेरी ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। एक बयान में बताया गया कि युवा प्रतिभा केंद्र (वीटीवाई) के तहत एसएटी, एसीटी या इसी तरह के मूल्यांकन में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है।

वह 84 देशों के लगभग 19,000 विद्यार्थियों में से एक थी, जो 2020-21 प्रतिभा खोज

वर्ष में सीटीवाई में शामिल हुई थी। सीटीवाई दुनिया भर के मेधावी छात्रों की पहचान करने और उनकी वास्तविक शैक्षणिक क्षमताओं की एक स्पष्ट तस्वीर प्रदान करने के लिए 'अबव ग्रेड-लेवल' परीक्षा आयोजित करता है। पेरी ने 2021 में यह परीक्षा दी थी जब वह पांचवी कक्षा में थी। वह 'जॉन्स हॉपकिन्स सीटीवाई के 'उच्च सम्मान पुरस्कार'' में जगह बनाने में सफल रही। पेरी ने कहा, 'यह मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है।' साथ ही कहा कि डूडल बनाने और जे आर आर टोलकिन के उपन्यासों को पढ़ने से उनको मदद मिली।

परीक्षा पास करने वाले स्टूडेंट्स को मिलती है स्कॉलरशिप

स्कूली मूल्यांकन परीक्षा (सैट) और अमेरिकी कॉलेज परीक्षा (एसीटी) दोनों ही मानकीकृत परीक्षाएं हैं, जिनके आधार पर कई कॉलेज यह निर्धारित करते हैं कि किसी छात्र को प्रवेश देना है या नहीं। कुछ मामलों में, कंपनियां और गैर लाभकारी संगठन इन अंकों के आधार पर मेधा आधारित छात्रवृत्ति भी देते हैं। अमेरिका में सभी कॉलेजों के लिए विद्यार्थियों का या तो एसएटी या फिर एसीटी लेना जरूरी होता है और उनके अंक संबंधित विश्वविद्यालयों को सौंपने होते हैं।

मीडिया रिपोर्ट का दावाःबहावलपुर के पॉश इलाके में रह रहा आतंकी मसूद अजहर, पाकिस्तान सरकार दे रही सभी सुविधाएं

इस्लामाबाद। साल 2001 में भारत की संसद पर हमले सहित कई आतंकी हमलों का मुख्य साजिशकर्ता आतंकी मसूद अजहर पाकिस्तान में है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आतंकी संगठन जैश-ए-

मोहम्मद का प्रमुख अजहर बहावलपुर की पॉश कॉलोनी में रह रहा है। यहां उसके दो ठिकाने हैं- एक उस्मान-ओ-अली मस्जिद के पास और दूसरा- जामिया मस्जिद, सुभान अल्लाह में। यह इलाका घनी आबादी वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक आतंकी के घर की सुरक्षा में हथियारबंद सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। उसके घर के आसपास बैरिकेडिंग की गई है। इसमें यह भी दावा किया गया है कि उसे सुरक्षा के मद्देनजर घनी आबादी वाले इलाके में रखा गया है। ताकि अलकायदा आतंकी लादेन की तरह उसके खिलाफ हमला न हो पाए।

टीबी रोगियों में क्यों होती है इम्युनिटी की कमी, वैज्ञानिकों ने तलाशा इस सवाल का जवाब

मैरीलैंड। ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) रोगियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता के कम होने से इलाज में और भी जटिलताएं पैदा होती हैं। इसलिए रोगियों में प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) बनाए रखने के लिए तरह-तरह के जतन किए जाते रहे हैं। लेकिन अब इम्युनिटी कम होने की एक गुत्थी सुलझी है। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसे जीन की खोज की है, जो टीबी रोगियों में इम्यून सिग्नलिंग सिस्टम को बंद करने या बाधित करने में अहम भूमिका निभाता है। यह शोध हाल ही में पीएलओएस पैथोजेंस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसमें बताया गया है कि टीबी पैदा करने वाला माइकोबैक्टीरियम टुबर्क्यलोसिस बैक्टीरिया (एमटीबी) जब इंसान को संक्रमित करता तो शरीर का इम्यून रिस्पांस की स्थिति बड़ी नाजुक हो जाती है कि रोग किस प्रकार से बढ़ेगा? मतलब यह कि इम्यून रिस्पांस शरीर को बैक्टीरिया से लड़ने के लिए तैयार करेगा या फिर संक्रमण को बढ़ने देगा। यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड के शोधकर्ताओं ने इसकी गुत्थी सुलझाई है कि एमटीबी किस प्रकार से संक्रमित व्यक्ति के इम्यून सेल की प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है। खासतौर पर उन्होंने बैक्टीरिया में एक ऐसे जीन की खोज की है, जो संक्रमित व्यक्तियों के इम्यून डिफेंस को दबा देता है या उसे कम कर देता है, जिससे संक्रमण तेज हो सकता है। इस नए निष्कर्ष से टीबी के इलाज या इसकी रोकथाम के लिए जीन आधारित प्रभावी तरीके खोजे जा सकते हैं। यूनिवर्सिटी आफ मैरीलैंड में सेल बायोलाजी एंड मालीक्यूलर जीनेटिक्स के प्रोफेसर तथा अध्ययन के सह लेखक वोल्कर ब्रिकेन ने बताया कि इस शोध से बैक्टीरियल प्रोटीन के इंसानी कोशिका से अंतरक्रिया के मालीक्यूलर मैकेनिज्म का पता लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम अपनी खोज से इसलिए उत्साहित हैं कि यह पहली बार पता चला है कि बैक्टीरिया और इंसानी सेल के सिग्नलिंग सिस्टम के बीच कोई संबंध है, जो पैथोजेंस (रोगाणुओं) के प्रति प्रतिरोध के लिए अहम है।

अमेरिका में बढ़ता गन कल्चर

- एक साल में 2 करोड़ बंदूकें बिकीं, खरीदारों में 40फीसदी महिलाएं, बिक्री बढ़ने से कारतूस कम पड़ने लगे

वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोनाकाल में बंदूकों की बिक्री बढ़ी है। लोगों को अशांति का डर है। वे सुरक्षा के लिए बंदूकें खरीद रहे हैं। साथ ही शिकार के लिए भी बंदूकें खरीदी जा रही हैं क्योंकि लोगों के पास बहुत खाली वक्त है। पिछले एक साल में बंदूकें खरीदने वालों में 40फीसदी महिलाएं हैं। इनमें सिंगल मदर और दादियां भी शामिल हैं।हालांकि, बंदूक की गोलियों की सप्लाई बहुत कम हो गई है। गोलियों के निर्माताओं का कहना है कि वे ज्यादा से ज्यादा उत्पादन कर रहे हैं। लेकिन बंदूक की गोलियों की दुकानों में जगह कम और कीमतें भी बढ़ रही हैं। गोलियों की सप्लाई कम होने का असर नेशनल लॉ एनफोर्समेंट

फायरआर्म्स इंस्ट्रक्टर्स एसोसिएशन पर भी पड़ा है।

एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक जेसन वुस्टेनबर्ग ने कहा- 'कई बंदूक प्रशिक्षकों ने हमारे यहां से अपना नाम रजिस्ट्रेशन रद्द करा लिया है।' गिफर्ड्स लॉ सेंटर के अरी फेइलिच कहते हैं- 'कोरोनाकाल में बंदूक की गोलियों की जमाखोरी होती दिख रही है।

तालिबान के खिलाफ विद्रोहियों को एकजुट कर रहा अफगानिस्तान

- अमेरिका के प्रति गुस्सा, लोग कह रहे तालिबान के साथ शांति समझौता करके हमें आतंकियों के हाथ बेच दिया

काबुल। अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी ने तालिबान को नया जीवन दे दिया है। तालिबान ने बिना किसी बड़ी लड़ाई के 50त्न से अधिक इलाके पर कब्जा कर लिया है। इनमें सात अहम बॉर्डर पॉइंट हैं, जहां पड़ोसी देशों के साथ हर रोज हजारों डॉलर का व्यापार होता है। ऐसे में तालिबान इन कारोबार से होने वाले सभी राजस्व वसूल रहा है।

तालिबान के नियंत्रण में स्पिन बोल्डक, इस्लाम किला, तोर गोंडी, शेर खान बंदर और ऐ खानम जैसे शहर हैं, जो पाक, ईरान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और चीन की सीमाओं पर हैं। इस बीच, इन इलाकों को छुड़ाने के लिए अफगानिस्तान और तालिबान के बीच भीषण लड़ाई चल रही है।

अफगानिस्तान ने तालिबान से मोर्चा लेने के लिए उत्तर, उत्तरपूर्वी, मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थानीय कबीलों को संगठित करना शुरू कर दिया है, जिन्हें मिलिशिया या विद्रोही बलों के रूप में जाना जाता है।

इन इलाकों के विद्रोही बलों को सरकार सैन्य साजोसामान और पैसा उपलब्ध करा रही है। ईरान व तुर्कमेनिस्तान सीमा से सटे हेरात प्रांत में एक हफ्ते में खूनी संघर्ष चल रहा है। यहां तालिबानियों से मोर्चा ले रहे सरदार इस्माइल खान के प्रमुख कमांडर की मौत हो गई है। इस्माइल हेरात के पुरुषों और महिलाओं से लड़ाई में शामिल होने का आह्वान कर रहे हैं। वे कहते हैं कि अभी समय है, हम तालिबान को खदेड़ सकते हैं। बाद में सिर्फ पछताना ही पड़ेगा।

मोर्चे में शामिल शहरयार कहते हैं कि हम तालिबान को अपनी मिट्टी तबाह नहीं करने देंगे। हमें मस्जिद के इमाम ने धोखा दिया है। वो तालिबान से जा मिला और हमारे कई साथियों को जख्मी कर दिया है। मजार-ए-शरीफ में मिलिशिया कमांडर बताते हैं कि तालिबान आतंकी हैं। वे हम पर राज करना चाहते हैं। हम जान दे देंगे, पर ऐसा नहीं होने देंगे।' कुंदुज प्रांत के मिलिशिया नेता हाफिज जान ओमारी कहते हैं कि हम नहीं चाहते कि 1990 जैसे हालात पैदा हों। उस वक्त तालिबान ने खून की नदियां बहा दी थीं।' उन्होंने कहा कि सरकार हमें हथियार व अन्य जरूरी सामान दे रही हैं। वे कहते हैं कि अमेरिका द्वारा तालिबान के साथ शांति समझौता ऐतिहासिक भूल है। यह अफगानिस्तान को आतंकियों के सामने बेचने जैसा था।' सैन्य अधिकारियों का कहना है कि हम हेरात में तालिबानी ठिकानों पर हवाई हमले कर रहे हैं। इससे उन्हें भारी नुकसान हुआ है। इस लड़ाई में हमारे 100 साथी भी मारे गए हैं।

विशेषज्ञों को आशंकाः31 अगस्त तक अमेरिकी सेना के जाते ही बड़े शहरों पर आतंकी हमले शुरू हो जाएंगे

म्यांमार का मिलिट्री लीडर बना पीएमः जनरल मिन आंग हलिंग ने कहा- 2023 में आपातकाल खत्म होगा, आम चुनाव कराए जाएंगे

म्यांमार। म्यांमार के मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि 2023 में आपातकाल खत्म कर दिया जाएगा और आम चुनाव कराए जाएंगे। मैं मौजूदा संकट के पॉलिटिकल हल के लिए दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ सहयोग को तैयार हूं। टेलीविजन पर दिए अपने संदेश में जनरल हलिंग ने कहा कि हमें स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का माहौल बनाना होगा। हमें इसकी तैयारी में जुट जाना है। मैं बहुदलीय चुनाव कराने का वादा करता हूं।

1 फरवरी को मिलिट्री ने किया था तख्तापलट

म्यांमार में सेना ने इसी साल एक फरवरी की आधी रात तख्तापलट कर दिया था। वहां की लोकप्रिय नेता और स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद से ही पूरे देश में सेना के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन चल रहे हैं। इस दौरान हुए खूनी संघर्ष में अब तक 940 लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ों लोग घायल भी हुए हैं।

तख्तापलट क्यों हुआ?

पिछले साल नवंबर में म्यांमार में आम चुनाव हुए थे। इनमें आंग सान सू की पार्टी ने दोनों सदनों में 396 सीटें जीती थीं। उनकी पार्टी ने लोअर हाउस की 330 में से 258 और अपर हाउस की 168 में से 138 सीटें जीतीं।

म्यांमार के मुख्य विपक्षी दल यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने दोनों सदनों में मात्र 33 सीटें ही जीतीं। इस पार्टी को सेना का समर्थन हासिल था। इसके नेता थान हिते हैं, जो सेना में ब्रिगेडियर जनरल रह चुके हैं।

नतीजे आने के बाद वहां की सेना ने इस पर सवाल खड़े कर दिए। सेना ने चुनाव में सू की की पार्टी पर धांधली करने का आरोप लगाया। इसे लेकर सेना ने सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति और चुनाव आयोग की शिकायत भी की।

चुनाव नतीजों के बाद से ही लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार और वहां की सेना के बीच मतभेद शुरू हो गया। अब म्यांमार की सत्ता पूरी तरह से सेना के हाथों में है। तख्तापलट के बाद वहां सेना ने 2 साल के लिए इमरजेंसी का भी ऐलान कर दिया है। तख्तापलट के बाद सैन्य शासन ने सू की के ऊपर कई तरह के आरोप लगाए हैं। अवैध रूप से वॉकी-टॉकी रेडियो रखने और कोरोना वायरस प्रोटोकॉल तोड़ने के आरोप में उनके खिलाफ फिर से कोर्ट का ट्रायल चलने वाला है। माना जा रहा है कि मिलिट्री सू की को कई मामलों में फंसाकर राजनीति से दूर करना चाहती है।

उत्तरी दिल्ली के महापौर ने किया मुंडका व बेगमपुर क्षेत्र का निरीक्षण

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने मंगलवार को नागरिक सुविधाओं का जायजा लेने के लिए मुंडका व बेगमपुर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर, अजाद सिंह, अतिरिक्त आयुक्त, सुनिल भादू, क्षेत्रीय उपायुक्त, सत्येंद्र सिंह दुरसावत व निगम के वरिष्ट अधिकारी उपस्थित थे।

■ महापौर ने अधिकारियों को क्षेत्र की साफ-सफाई सुचारु सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

मुंडका से रोहतक मुख्य सड़क के पास लोक निर्माण विभाग के नाले के निरीक्षण के दौरान, महापौर ने अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को पी.डब्ल्यू.डी. विभाग को उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले नालों की स्थिति हेतु पत्र लिखने के आदेश दिए। उन्होंने कहा की पी.डब्ल्यू.डी. विभाग के पास मुख्यत: सभी बडे नाले है जिन से गाद नहीं निकाली गई है और जिस की वजह से जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग व डीएसआईआईडीसी के पास मुख्यत: सभी बड़े नाले हैं और निगम के छोटे नालों की निकासी इन विभागों के बड़े नालों में है। बड़े नाले की सफाई नहीं होने के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने और संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र की साफ-सफाई सुचारु सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्थानीय लोगों ने महापौर को क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की समस्या से अवगत कराया। महापौर ने इस दिशा में उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। महापौर ने अधिकारियों को क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया की रोकथाम हेतु छिड़काव करने व जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मौसम डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया के लिए उत्तरदायी मच्छरों की उत्पत्ति के लिए अनुकूल है जिसके मद्देनजर हमें अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

एनडीएमसी ने संपत्ति कर के लिए एक अत्याधुनिक ईआरपी मॉड्यूल का शुभारंभ किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने नागरिकों के लिए एक उपयोगकर्ता अनुकूल अत्याधुनिक संपत्ति कर ईआरपी मॉड्यूल का शुभारंभ किया है। पालिका परिषद के संपत्ति कर से संबंधित इस नवीनतम ईआरपी मॉड्यूल को संपत्ति की जानकारी एकत्र करने के लिए डिजाइन किया गया है । इस मॉड्यूल से संपत्ति कर की निर्धारित दरों के अनुसार संपत्ति कर की गणना करके, करों का संग्रहण पूरी तरह से पारदर्शी और नागरिक हितैषी तरीके से किया जा सकेगा । जो सेवाएं इस ईआरपी मॉड्यूल का हिस्सा हैं, उनमें संपत्ति मूल्यांकन पर आधारित नागरिक द्वारा स्व-मूल्यांकन, आपत्ति दर्ज करना, आपत्ति की सुनवाई, संपत्ति निर्माण, संपत्ति संशोधन, संपत्ति नामान्तरण, संपत्ति का सम्मिलन और विभाजन, रिक्त छूट, संपत्ति कर रिटर्न, और रिपोर्ट प्राप्त करना शामिल है । पालिका परिषद द्वारा बनाये गए इस मॉड्यूल के माध्यम से नागरिक उनकी संपत्ति के सन्दर्भ में कर की मांग और बकाया 24 घंटे और सातों दिन देख सकेंगे और उसका भुगतान भी कर सकेंगे। नागरिक इस के द्वारा संपत्ति नामांतरण की प्रक्रिया भी चालू कर सकते हैं और बिना किसी परेशानी के प्रमाण पत्र प्राप्त करने का लाभ भी उठा सकते है। इस नई व्यवस्था से नागरिकों के लिए न केवल संपत्ति कर की गणना और भुगतान की प्रक्रिया को सुचारू, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि पूरी प्रक्रिया के समय को कम करने और पालिका परिषद द्वारा राजस्व संग्रह करने में सकारात्मक सुधार में भी सहायता मिलेगी । पालिका परिषद इस तरह के अत्याधुनिक प्रयासों से अपने नागरिकों की अधिक कुशल तरीके से सेवा करने में और सक्षम होगी ।

सीएम केजरीवाल ने बताया 21वीं सदी की दिल्ली को किस तरह का बनाना चाहते हैं

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीज्ञ2047 प्लेटफार्म को लांच किया। यह प्लेटफार्म दिल्ली के विजन 2047 को प्राप्त करने में इंडस्ट्री और विभिन्न संगठनों की साझेदारी बढ़ाने का एक मंच है। सीएम ने कहा कि हम सबके साथ मिलाकर दिल्ली को 21वीं सदी की दिल्ली बनाना चाहते हैं, जिस पर सभी को गर्व हो। हम ऐसी दिल्ली बनाना चाहते हैं, जहां गरीब से गरीब आदमी भी अच्छे से और इज्जत से रह सके। यह प्लेटफार्म लॉन्च करने का मकसद सभी की विशेषज्ञता, विचार और भागीदारी को प्राप्त करना है।

सीएम ने आगे कहा कि दिल्ली को वैश्विक शहर की तरह विकसित करने के लिए समस्याओं की पहचान कर सूची बनाने होगी और एक रोडमैप बनाकर समय सीमा में उसका समाधान निकालना होगा। पिछले पांच साल का हमारा अनुभव यह दिखाया कि समस्याओं के समाधान निकाले जा सकते हैं, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। हमें दिल्ली को वैश्विक शहर बनाने के लिए सभी नागरिकों और कारपोरेट सेक्टर का सहयोग चाहिए। अगर हम सभी मिल जाएं, तो कोरोना की तरह ही सभी सेक्टर में व्याप्त समस्याओं को भी ठीक कर सकते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने 'दिल्लीज्ञ2047' मंच का शुभारम्भ करते हुए कहा कि आज मुझे बेहद खुशी है कि दिल्लीज्ञ2047 का हम लोग इस प्लेटफार्म के साथ शुभारंभ कर रहे हैं। इस साल जब हमने विधानसभा में बजट प्रस्तुत किया था, तो इसकी एक छोटी सी रूपरेखा हम लोगों ने विधानसभा में प्रस्तुत की थी। चूंकि दिल्ली देश की राजधानी है। पूरी दुनिया भर से लोग सबसे पहले दिल्ली आते हैं और फिर यहां से बाकी देश के अंदर जाते हैं।

दुनिया भर के लोग दिल्ली के जरिए पूरे देश को देखते हैं। दिल्ली एक ऐसी जगह है, जो सबके लिए गर्व की बात है। हमें दिल्ली को एक ग्लोबल सिटी की तरह विकसित करना है। आज अगर हम अपने घर में बैठे हैं, तो हम यह नहीं कह सकते हैं कि दिल्ली के अंदर बहुत सारी चीजें ठीक हैं। हमें अभी दिल्ली के अंदर बहुत सारी चीजों का पता लगाना है और बहुत सारी समस्याओं को अभी ठीक करना है। 2047 में देश जब आजादी के 100 साल पूरे कर लेगा, तब दिल्ली को हमें कहां लेकर जाना है, उसका एक रोडमैप हम लोगों को तैयार करनी है। हम लोगों ने उस दृष्टिकोण से बजट में एक विजन रखा था और उसके लिए एक बजट भी रखा था, ताकि उस दिशा में काम शुरू हो सके।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 'दिल्लीज्ञ2047' की जब हम बात करते हैं, तो एक बार हमारे मन में यह भी आता है कि कही ऐसा तो नहीं कि हम यह कहने की कोशिश कर रहे हैं कि अभी तो ठीक ठाक है, 2047 में बात करेंगे, लेकिन यह हमारा उद्देश्य नहीं है। हमारा उद्देश्य है कि दिल्ली में बहुत सारी समस्याएं हैं, उन समस्याओं की, उन क्षेत्रों और उन सेक्टर की एक सूची बनानी है। उनके सभी के समाधान निकालने हैं, उनकी एक समय सीमा बनानी है और उनके माइलस्टोंस बनाने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह, बहुत सारी समस्याएं है। हम लोग नए-नए राजनीति में आए हैं। हमें राजनीति उतनी अच्छी करनी नहीं आती है, लेकिन समस्याओं का समाधान ढूंढने का हम ईमानदारी से प्रयास करते हैं। पिछले पांच साल के हमारे अनुभव हैं, उसने यह दिखाया कि समाधान निकाले जा सकते हैं,

संक्षिप्त खबर

किफायती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए समझौता

नई दिल्ली। घरेलु हेल्थकेयर प्लेयर अजींक्य डी वाय पाटिल ग्रुप ने किफ़ायती स्वास्थ्यसेवा क्षेत्र में अपने आप को मजबूती से स्थापित करने के दृष्टिकोण के साथ कदम बढ़ाते हुए एक बड़ा समझौता किया है। ग्रुप वडाला मुंबई में और उसके बाद पुणे में हेल्थकेयर शिक्षा सहित सुपर स्पेशलटी एवं क्रिटिकल केयर सुविधा की स्थापना करना चाहता है। ग्रुपने इसके लिए अशोका बिल्डकोन लिमिटेड को तकरीबन 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्माण अनुबंध सौंपा है। यह अनुबंध मुंबई के ग्रेंड पोर्ट अस्पताल को 600-बेड वाले सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित करने के लिए है, जिसमें अजिंक्य डीवाई पाटिल समूह की कंपनी, झोडियाक हीलोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के आवासीय क्वार्टर भी समाविष्ट हैं। ग्रुप के चेयरमैन डॉ अजींक्य डी वाय पाटिल ने इस अवसर पर कहा की हम अपने मॉडल में सम्पूर्ण समाधान उपलब्ध कराना चाहते हैं, जो न सिर्फ चिकिसा तक सीमित रहे, बल्कि अकादमिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराए। हम वैलनैस एवं वैकल्पिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ विश्वस्तरीय सुविधाओं के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। आयुर्वेद मेरे दिल के बेहद करीब है, और मेरा मानना है कि इस क्षेत्र में हमें अभी बहुत काम करना है।

दिल्ली विश्वविद्यालय: सैलरी न मिलने पर शिक्षकों का ऑनलाइन धरना

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने दिल्ली सरकार के पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों की ग्रांट रिलीज कराने की मांग दिल्ली के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री से की है। ग्रांट रिलीज कराने की मांग को लेकर डूटा के नेतृत्व में शिक्षकों ने मंगलवार को घरों में ही रहकर ऑनलाइन धरना दिया। डूटा के मुताबिक ग्रांट रिलीज न किए जाने से अतिथि, एडहॉक और कंट्र.ुअल कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पिछले तीन महीने से इन शिक्षकों को सैलरी नहीं मिली है। डूटा के अध्यक्ष राजीब रे ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक एक बार फिर दिल्ली सरकार के साथ टकराव की स्थिति में हैं। दिल्ली सरकार द्वारा 100 फीसदी वित्त पोषित 12 कॉलेजों को अनुदान दिए जाने में देरी हो रही है, कर्मचारियों को वेतन जारी करने में देरी हो रही है। उन्होने कहा कि डूटा अनुदानों को समय पर जारी करने के प्रति दिल्ली सरकार के आपराधिक लापरवाह रवैये की निंदा करता है।

नीतिका शर्मा शिक्षा समिति की अध्यक्षा चुनी गई व आभा चौहान उपाध्यक्षा निर्वाचित

नई दिल्ली। वार्ड नंबर 36 द्वारका से निगम

पाषर्द नीतिका शर्मा दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की शिक्षा समिति की सर्वसम्मति से अध्यक्षा और वार्ड नंबर 28 उत्तम नगर से निगम पाषर्द आभा चौहान उपाध्यक्षा निर्विरोध चुनी गई । इस अवसर पर उपमहापौर पवन शर्मा, स्थायी समिति के अध्यक्ष कर्नल बी.के.ओबरॉय, उपाध्यक्षा स्थायी समिति पूनम भाटी, नेता सदन सदन इंद्रजीत सहरावत व अन्य पार्षदगण उपस्थित थे।

महापौर ने उपराज्यपाल से भेंट की दक्षिणी निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों व आर्थिक चुनौतियों से कराया अवगत

(एजेंसी)

नई दिल्ली । दक्षिणी दिल्ली के महापौर मुकेश सूर्यान ने उपराज्यपाल अनिल बैजल से भेंट की और दक्षिणी निगम के द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों व आर्थिक चुनौतियों से अवगत कराया। महापौर मुकेश सूर्यान ने दिल्ली सरकार के सौतेले व्यवहार से अवगत कराते हुए कहा कि दिल्ली सरकार वर्ष 2018-2019 तक दक्षिणी निगम को तीसरे वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार अनुदान देती थी। दिल्ली सरकार द्वारा पांचवे वित्त आयोग की सिफारिशों को जनवरी 2019 में मंजूरी दी किंतु उन सिफारिशों को 1 अप्रैल 2016 से लागू कर

दिया। महापौर ने कहा की दक्षिणी निगम ने दिल्ली सरकार से कई बार अनुरोध किया तथा उनसे 5वें वित्त आयोग की सिफारिशों को लागू करने का निवेदन किया। जिसको अनसुना करते हुए दिल्ली सरकार ने वित्त वर्ष 2019-2020 के अनुदान में से 263.45 करोड़ रूपए तथा वर्ष 2020-2021 के अनुदान में से 285.39 करोड़ रूपए की कटौती कर ली जोकि सर्वथा अनुचित है।

उन्होंने कहा की है कोरोना महामारी के चलते दक्षिणी निगम के राजस्व में भारी कमी आई है। समाज का प्रत्येक वर्ग चाहे वो व्यापारी, ठेकेदार, विज्ञापनदाता या पार्किंग ठेकेदार हो वह दक्षिणी निगम से अपनी देय फीस एवं शुल्कों में कटौती की अपेक्षा कर रहा है। वहीं दूसरी और सीमित संसाधनों के बावजूद भी कोरोना महामारी के इस समय में दक्षिणी निगम नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं एवं सेवाओं में कोई भी कमी नही कर रहा है तथा निगम के विभिन्न कर्मचारी जैसे स्वछता कर्मचारी, डॉक्टर, नर्स, एवं अन्य कर्मचारी अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। ऐसे समय में दिल्ली सरकार द्वारा हमारे हक के पैसे में कटौती करना काफी पीड़ादायक है। महापौर ने उपराज्यपाल से अनुरोध किया है वे स्वयं हस्तक्षेप करें और दिल्ली सरकार से दक्षिणी निगम का बकाया फ़ंड दिलवाए ।

रक्षा सचिव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की वेबसाइट लांच की

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा सचिव डॉ अजय कुमार ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मंगलवार को 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की वेबसाइट लांच की। आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष में देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है तथा चारों ओर देशभक्ति का माहौल है। इसी के मद्देनजर डॉ कुमार ने मंगलवार को 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की वेबसाइट लांच की। यह वेबसाइट राष्ट्रीय पर्व के मौके पर दुनिया भर के भारतीयों को एक मंच पर जोड़ने के उद्देश्य से बनाई गई है। आने वाले दिनों में स्वतंत्रता दिवस समारोह की एप भी लांच की जाएगी । यह वेबसाइट बहुत सुगम है और इस पर स्वतंत्रता समारोह से संबंधित संपूर्ण जानकारी मिल सकती है। इस पर जाकर विदेशों में बैठे भारतीय मूल के व्यक्ति एक तरह से अपने आप को स्वतंत्रता दिवस समारोह का हिस्सा बना सकते हैं। यह सभी उम्र के लोगों और विशेष रूप से युवाओं को इस पर्व से जोड़ने का प्रयास है।

मेट्रो के आगे आत्महत्या के इरादे से कूदी महिला को सीआईएसएफ ने बचाया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जनकपुरी वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर सुसाइड के इरादे से कूदी एक 26 वर्षीय महिला को मेट्रो स्टेशन पर तैनात सीआईएसएफ की टीम ने समय रहते हरकत में आते हुए उसे घटनास्थल से हटाया और अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई। घटना के दौरान मेट्रो स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई और करीब 15 मिनट के लिए मेट्रो की सेवा बाधित भी हुई। हालांकि बाद में सीआईएसएफ की टीम ने महिला को अस्पताल पहुंचाया और मेट्रो सेवा बहाल करवाई। घटना की पुष्टि करते हुए सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि घटना 03 अगस्त दोपहर करीब 12.10 बजे के आसपास की है। इस दौरान एक 26 वर्षीय महिला यात्री जनकपुरी वेस्ट मेट्रो स्टेशन के दो नंबर प्लेटफार्म से द्वारका सेक्टर-21 की तरफ जाने वाली मेट्रो के सामने छलांग लगा दी। मेट्रो की टक्कर लगने से वह घायल हो गई और मेट्रो के नीचे आ गई। हादसे के दौरान महिला के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। इसकी सूचना मिलते ही तत्काल सीआईएसएफ के एसआई प्रहलाद सिंह अन्य तीन सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे और महिला यात्री को स्टेशन कंट्रोलर की मदद से ट्रेन के नीचे से बाहर निकाला और माता चानन देवी अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। फिलहाल महिला यात्री की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस उसकी पहचान कर उसके परिजनों का पता लगाया जा रहा है।

■ 15 मिनट के लिए मेट्रो की सेवा बाधित रही
■ महिला यात्री की पहचान नहीं हो पाई

निर्माणाधीन पजल पार्किंग व अन्य पार्किंग को जल्द से जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली,(एजेंसी)। महापौर मुकेश सुर्यान ने मंगलवार को अभियांत्रिकी विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ सिविक सेंन्टर में बैठक की। इस अवसर पर उपमहापौर पवन शर्मा, स्थायी समिति के अध्यक्ष बी.के ओबरॉय, स्थायी समिति की उपाध्यक्ष पूनम भाटी, नेता सदन इन्द्रजीत सहरावत, प्रमुख अभियंता पी.सी.मीणा व चारों जोन के अभियांत्रिक उपस्थित थे। महापौर ने बैठक में दक्षिणी निगम द्वारा बनायी जा रही पजल पार्किंग के बारे में संज्ञान लिया और निर्देश दिये कि सभी पार्किंग के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि दक्षिणी निगम के अन्तर्गत 272 नालों की साफ-सफाई पर विशेष बल दिया जाये। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि लैंडफिल साइड पर कूड़े के उचित निष्पादन के लिये विशेष कदम उठाये जाये। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि क्षेत्र की समस्याओं के हल के लिये अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी स्थानीय पार्षद के साथ नियमित रूप से बैठक करे। बैठक में महापौर ने एल.ई.डी.लाइट लगाने, नालों की सफाई, सोलर प्लांट लगाने,रोड़ स्विपिंग मशीनो की स्थिति रोड़ कटिंग चार्ज, जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

दिल्ली में निजी क्षेत्र के लिए मेडिकल ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने की नीति को मंजूरी

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली अब मेडिकल आक्सीजन के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में दिल्ली कैबिनेट ने मंगलवार को मेडिकल आक्सीजन प्रोडक्शन प्रमोशन नीति- 2021 को मंजूरी दे दी। यह नीति भविष्य में किसी भी मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली को मेडिकल आक्सीजन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बनाई गई है। इस बारे में सीएम ने कहा कि हमारी पूरी कोशिश है कि भविष्य में किसी भी मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए दिल्ली को मेडिकल आक्सीजन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया जाए। यह नीति आक्सीजन उत्पादन संयंत्र लगाने, भंडारण सुविधाएं और आक्सीजन टैंकर स्थापित करने के क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर को कई प्रोत्साहन प्रदान करती है।

यह दिल्ली में आक्सीजन की उपलब्धता में सुधार करने में मदद करेगी जो पिछली कोविड-19 लहर को संभालने में एक बड़ी बाधा बन गई थी। नीति के तहत बिजली सब्सिडी कमर्शियल उत्पादन शुरू होने की तारीख से पहले पांच वर्षों के लिए विनिर्माण प्रक्रिया में खपत 4 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से तरल आक्सीजन उत्पादन संयंत्रों और गैर-कैप्टिव आक्सीजन उत्पादन संयंत्रों को उपलब्ध कराई जाएगी। संयंत्र के चालू होने के एक महीने के अंदर तरल आक्सीजन उत्पादन संयंत्रों और गैर-कैप्टिव आक्सीजन उत्पादन संयंत्रों को सकल एसजीएसटी की भरपाई की जाएगी।

ऐसे किया जाएगा अनुदान पर विचार-इस नीति की अधिसूचना की तारीख से 15 दिनों के अंदर सब्सिडी/प्रोत्साहन अनुदान के लिए आवेदन लिए जाएंगे। यदि आखिरी तिथि तक आवेदन तय लक्ष्य क्षमता से अधिक आते हैं, तो इसका चयन सभी पात्र आवेदनों का ड्रा करके किया जाएगा। यदि आवेदन करने वालों की क्षमता, लक्ष्य क्षमता से कम है, तो सभी आवेदनों पर विचार किया जाएगा। इसके बाद हर माह 15 दिन तक आवेदन लिए जाएंगे, जब तक कि लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाता है। नीति की अधिसूचना जारी होने की तारीख से अधिकतम 6 माह तक आवेदन लिए जाएंगे।

पहले समस्याएं दूर करें फिर 2047 का सपना दिखाएं मुख्यमंत्री: बिधूड़ी

नई दिल्ली । दिल्ली को वर्ष 2047 तक वैश्विक शहर बनाने का लक्ष्य निर्धारित करने को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। उसका कहना है कि दिल्लीवासियों की समस्याएं हल करने में नाकाम रहने के बाद अब मुख्यमंत्री उन्हें वर्ष 2047 का सपना दिखा रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि सात साल में दिल्ली को बदहाल करने के बाद एक बार फिर से झूठे वादे किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की गलत नीतियों के कारण राजधानी की समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली में जिस तरह बर्बादी का मंजर बना वह कोई नहीं भूल सकता। इसके विपरीत मुख्यमंत्री कोरोना पर जीत हासिल करने का दावा कर रहे हैं। आप के शासन में दिल्ली में एक भी नया अस्पताल नहीं खुला है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोरोना की तीसरी लहर आ सकती है, लेकिन इससे बचाव की तैयारी को लेकर सरकार गंभीर नहीं है।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में 25 हजार शिक्षकों की कमी है और अतिथि शिक्षकों को नौकरी से निकाल दिया गया। कोई नया स्कूल नहीं बना है। कुछ स्कूलों की इमारतों में सुधार करके शिक्षा में सुधार का दावा किया जा रहा है।

सार्वजनिक परिवहन की बुरी स्थिति है। सात साल में एक भी बस नहीं खरीदी गई। अगले महीने दिल्ली परिवहन निगम की सारी बसों की आयु पूरी हो जाएगी। सड़कों का बुरा हाल है। वायु प्रदूषण व यमुना की सफाई को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। दिल्ली को 24 घंटे साफ पानी देने का वादा आजतक पूरा नहीं हुआ। जल भराव की समस्या गंभीर हो गई है।

दिल्ली में बढ़ा 70 विधायकों का वेतन, केजरीवाल कैबिनेट ने केंद्र के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली । दिल्ली कैबिनेट ने केंद्र के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के हिसाब से अब दिल्ली के विधायकों को हर माह 30 हजार रुपये प्रतिमाह का वेतन मिलेगा। मालूम हो कि बीते 10 साल से दिल्ली के विधायकों का वेतन नहीं बढ़ा है। दिल्ली सरकार ने अन्य राज्यों के विधायकों के समान वेतन-भत्ते का प्रस्ताव केंद्र के पास भेजा था।

इससे पहले जब वेतन बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा गया था तो केंद्र सरकार ने उस पर कैंची चला दी थी। दिल्ली सरकार ने अन्य राज्यों के मुकाबले वेतन करने का प्रस्ताव किया था, जिसे केंद्र सरकार ने अस्वीकार कर दिया है। केंद्र सरकार की संस्तुति के बाद देश के सभी राज्यों में से दिल्ली के विधायकों को अब भी सबसे कम वेतन महज 30,000 प्रतिमाह मिलेगा।

दिल्ली सरकार ने अपने राज्य के विधायकों के वेतन-भत्ते अन्य प्रदेशों के समान करने को लेकर केंद्र को प्रस्ताव भेजा था, गृह मंत्रालय ने इसे स्वीकृति नहीं दी। 2011 के बाद यानी दस साल से दिल्ली के विधायकों के वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

सूत्रों का कहना है कि दिल्ली कैबिनेट में मंगलवार को विधायकों के वेतन और अन्य भत्तों के प्रस्ताव आया इसको मंजूरी दे दी गई, अब दिल्ली के विधायकों को 30 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलेगा। विधायकों को वेतन व अन्य भत्तों को मिलाकर अब भी 90 हजार रुपये मिलेंगे। देश के सभी राज्यों में सबसे कम वेतन पाने वालों में अब भी दिल्ली के विधायक होंगे, जबकि अन्य कई राज्य अपने विधायकों को दिल्ली के विधायकों की तुलना में डेढ़ से ढाई गुना वेतन और भत्ते देते हैं।

उदाहरण स्वरूप उत्तराखंड (1.98 लाख), हिमाचल प्रदेश (1.90 लाख), हरियाणा (1.55 लाख), बिहार में (1.30 लाख) रुपये प्रतिमाह वेतन और भत्ते विधायकों को दिए जाते हैं। साथ ही कई अन्य राज्य भी अपने विधायकों को बहुत अधिक वेतन व भत्ते का भुगतान करते हैं। जैसे- राजस्थान में 1.42 लाख रुपये और तेलंगाना में विधायकों को सबसे अधिक 2.5 लाख रुपये प्रतिमाह का भुगतान होता है।

आम जनता के फायदे के लिए मोहल्ला क्लीनिकों में भी आयुष उपचार होगा शुरू: सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन से आयुष डॉक्टरों के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को मुलाकात की। स्वास्थ्य मंत्री ने उनसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दवाओं के न्यूनतम उपयोग के साथ आयुष, प्राकृतिक उपचार के जरिए पोस्ट कोविड मरीजों को ठीक करने में अहम भूमिका निभाएगा। लोगों और आयुष डॉक्टरों के हित के लिए राजधानी के आसपास के चुनिंदा मोहल्ला क्लीनिकों में भी आयुष उपचार शुरू किया जाएगा। उन्होंने कोविड-19 के दौरान दिल्ली के लोगों की निःस्वार्थ सेवा करने के लिए आयुष डॉक्टरों का धन्यवाद किया।

आयुष डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन से मुलाकात कर कई मुद्दों पर चर्चा की। आयुष क्लीनिकों के लिए विद्युत सब्सिडी,

मोहल्ला क्लीनिकों में आयुष की शुरुआत और आयुष डॉक्टरों से कोविड-19 के बीच जैव चिकित्सा अपशिष्ट संग्रह पर लगाए जा रहे 890 रुपए शुल्क माफ़ी की मांग की। आयुष डॉक्टरों ने बताया कि आयुष क्लीनिक छोटे हैं और बायोमेडिकल अपशिष्ट का उत्पादन नहीं करते हैं। इसलिए आयुष क्लीनिक पर लगने वाले शुल्क को माफ या कम किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने इस संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने राजधानी दिल्ली के आसपास के मोहल्ला क्लीनिकों में आयुष के माध्यम से उपचार शुरू करने की मांग को भी स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि आयुष उपचार को शुरू करने के लिए दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों का चयन किया जाएगा, जो आयुष डॉक्टरों के साथ-साथ लोगों के हित के उद्देश्य को पूरा करेगा।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कई सुझाव भी दिए और दिल्ली के समग्र स्वास्थ्य ढांचे में विशेष रूप से कोविड के दौरान आयुष के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आयुष रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और दवाओं के न्यूनतम उपयोग के साथ मरीजों को उपचार देने के अपने प्राकृतिक तरीकों के माध्यम से कोविड-19 के बाद की रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने ट्वीट कर कोविड महामारी के दौरान आयुष डॉक्टरों के योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि हमारे आयुष डॉक्टरों ने कोविड संकट के दौरान निःस्वार्थ भाव से हमारा सहयोग किया। मैं उन्हें कोविड-19 के दौरान दिल्ली के लोगों की निःस्वार्थ सेवा के लिए धन्यवाद करता हूं। आयुष प्रतिनिधि मंडल ने आयुष के लिए 'राज्य सलाहकार समिति' बनाने का भी प्रस्ताव रखा। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि इसे निश्चित रूप से ध्यान में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार आयुष के प्रचार और बेहतरी के लिए समर्पित है। दिल्ली सरकार लोगों के साथ-साथ आयुष डॉक्टरों का हित सुनिश्चित करने के लिए हर मुमकिन प्रयास करेगी।

संपादकीय

अंतरिक्ष में समन्वय

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का कुछ देर के लिए नियंत्रण से बाहर हो जाना चिंता की बात है। यह कुछ विकसित देशों का साझा उपक्रम है, जिस पर पूरी दुनिया की निगाह है। अंतरिक्ष संबंधी शोध के लिए विकसित हो रहे इस अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र को संबंधित देश अपने-अपने हिसाब से नियंत्रित व संचालित करने में लगे हैं, इसी का नतीजा है कि यह केंद्र करीब 45 मिनट तक नियंत्रण से बाहर हो गया था। खास बात यह है कि रूसी मॉड्यूल ने, जिसका नाम नौका है, अंतरिक्ष स्टेशन को नियंत्रण से बाहर क्यों कर दिया, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। हालांकि, रूसी अधिकारियों ने इसके लिए अल्पकालिक सॉफ्टवेयर विफलता को जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी नासा के अंतरिक्ष स्टेशन कार्यक्रम प्रबंधक के अनुसार, रूसी अनुसंधान मॉड्यूल नौका के जेट थ्रस्टर्स की अनियोजित फायरिंग के कारण आईएसएस ने अपनी दिशा बदल दी। शुरुआती जांच में यह साफ हो गया है कि गड़बड़ी रूसी अंतरिक्ष एजेंसी की ओर से हुई है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी कंपनी एनर्जिया के डिजाइनर जनरल व्लादिमीर सोलोविओव ने अपने बयान में कहा है कि बहुद्देशीय प्रयोगशाला मॉड्यूल के थ्रस्टर्स को सक्रिय करने के लिए एक सीधा आदेश गलती से जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर की विफलता के कारण अंतरिक्ष केंद्र की दिशा में कुछ बदलाव हुआ। रूसी एजेंसी द्वारा कमी को मानना अच्छी बात है, लेकिन अंतरिक्ष केंद्र में किसी हल्के या मामूली से लगने वाले बदलाव को भी गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसे केंद्र बहुत मुश्किल से सालों की मेहनत से खड़े होते हैं, उन पर किसी प्रयोग में गलती नहीं होनी चाहिए।

वैसे गलती सुधारने के लिए रूसी एजेंसी भी सक्रिय हो गई थी, पर इसमें नासा का योगदान ज्यादा माना जा रहा है। अंतरिक्ष केंद्र को जमीनी वैज्ञानिकों की टीम ने फिर सही दिशा में डाल दिया है। अब कई सवाल खड़े हो गए हैं। क्या अमेरिकी व रूसी अंतरिक्ष एजेंसी में होड़ तेज हो रही है? क्या दोनों एजेंसियां अपने-अपने हिसाब से अंतरिक्ष केंद्र का नियंत्रण हासिल करना चाहती हैं? ह्यूस्टन, टेक्सास में जॉनसन स्पेस सेंटर में नासा के विशेषज्ञों का हवाला देते हुए रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने अंतरिक्ष स्टेशन पर नियंत्रण हासिल करने के संघर्ष को दो मॉड्यूल के बीच की रस्साकशी के रूप में वर्णित किया है।

वैज्ञानिकों और विकसित देशों की सरकारों को सजग हो जाना चाहिए। जो अंतरिक्ष केंद्र मिल-जुलकर बना है, उसे समन्वय के साथ चलाने में ही दुनिया की भलाई है। ध्यान रहे, जब अंतरिक्ष केंद्र में समस्या पैदा हुई, तब उसमें सात वैज्ञानिक-चालक सवार थे। उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ है। गौर करने की बात है कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन बाहरी अंतरिक्ष में शोध स्थल है, जिसे पृथ्वी की निकटवर्ती कक्षा में स्थापित किया गया है। यह परियोजना 1998 में शुरू हुई थी और 2011 में बनकर तैयार हुई। यह स्टेशन अब तक बनाया गया सबसे बड़ा मानव निर्मित उपग्रह है। इसे बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अमेरिका, रूस, जापान, कनाडा और यूरोपीय देशों को सतर्क होकर आगे बढ़ना चाहिए, ताकि उनके बीच परस्पर विश्वास बना रहे, जिससे इस केंद्र को आगे बड़ी कामयाबियां हासिल हों।

बिना परीक्षा परिणाम

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा बारहवीं का बिना परीक्षा के तैयार परिणाम घोषित कर दिया है। 99.37 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि 0.47 प्रतिशत की कंपार्टमेंट आई है। हर बार की इस बार भी लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर रहा। लड़कों का उत्तीर्ण फीसद 99.13 है, जबकि लड़कियों का फीसद 99.67 है। बोर्ड ने बताया है कि करीबन 65 हजार बच्चों का परीक्षा परिणाम अभी तैयार नहीं किया जा सका है, पांच 5 अगस्त को जारी किया जाएगा। सीबीएसई के इतिहास में यह अब तक सबसे ज्यादा पास प्रतिशत वाला परिणाम है यानी अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। इस लिहाज से ऐतिहासिक भी है। यह भी पहली दफा था कि पूरे साल पढ़ाई कोरोना महामारी के चलते बाधित रही। ऑनलाइन शिक्षण हुआ लेकिन शिक्षा ग्रहण करने का यह नया स्वरूप ज्यादातर छात्रों को रास नहीं आया। कह सकते हैं कि उन्हें कायदे से पढ़ाई करने में दिक्कत दरपेश रही। बोर्ड में इस बार बारहवीं के इम्तिहान के लिए 1304561 परीक्षार्थियों ने नामांकन कराया था, जिनमें से 1296318 सफल घोषित किए गए। इस बार 95 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों की संख्या पिछले साल के मुकाबले ड़बल हो गई। ऐसे में कॉलेजों में दाखिला लेने वालों के लिए कटऑफ बढ़ना तय है या कहें कि कॉलेजों में प्रवेश के लिए दिक्कत बढ़ने वाली है। भले ही परीक्षा नहीं ली गई थी लेकिन परिणाम तैयार करने का फॉर्मूला ऐसा रखा गया कि परिणाम रस्मअदायगी पर न रहने पाएं। इस काम में स्कूलों का भी सहयोग लिया गया। सॉफ्टवेयर की मदद से परीक्षार्थियों के दसवीं और ग्यारहवीं की परीक्षाओं के परिणामों के आकलन से परिणाम तैयार किए गए। जिस तरह से परिणाम तैयार किए गए हैं, उससे पास होने वालों की संख्या ज्यादा हैग और प्रतिशत भी खासा ज्यादा है। सो, उच्च शिक्षा के इच्छुक छात्रों की संख्या सामान्य वर्ष की तुलना में ज्यादा रहेगी। जरूरी हो गया है कि प्रवेश के लिए अंकों को वेटेज देने की बजाय एंटरेंस टेस्ट कराया जाए। एक तो इससे प्रवेश के इच्छुक छात्रों की ज्यादा संख्या की समस्या का समाधान हो सकेगा। दूसरा, गंभीर और प्रतिभावान छात्र चयन से वंचित नहीं होने पाएंगे। बीते साल कोरोना महामारी के कारण शिक्षण बाधित रहा। परीक्षा नहीं कराई जा सकी। महामारी को लेकर अभी भी अनिश्चित स्थिति है, लिहाजा शिक्षा क्षेत्र में चुनौती बनी रहेगी।

प्रवीण कुमार सिंह

पब्लिक है, सब जानती है

घोटालों की जब भी बात होती है तो बिहार की नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की दलील होती है कि भ्रष्टाचार पर उसकी 'जीरो टॉलरेंस' है। मगर इस दलील का दूसरा पक्ष भी है, जो सुशासन की पोल खोलता है॥। सृजन घोटाला हो या बाल सुधार गृह कांड़-अपराध और गड़बड़झालों की लंबी फेहरिस्त है। एक और तरह का घोटाला सूबे को बदनाम कर रहा है। करोड़ों की लागत से पुल और ओवरब्रिज बनते हैं, मगर टूटने के लिए। इस बात के एक नहीं बल्कि कई उदाहरण हैं। ताजा मामला गया का है जहां 13 करोड़ की लागत से बन रहा पुल नदी में समा गया। 16 पिलर देखते-ही-देखते बाढ़ के पानी में डूब गए। इसके चंद घंटे बाद ही बांका में करीब 5 करोड़ की लागत से चांदन नदी पर बना डायवर्जन देनर रात नदी में पानी के तेज बहाव के बीच बह गया। उससे पहले गोपालगंज में पिछले साल 8 वर्ष से बन रहा पुल उद्घाटन के 29वें दिन ताश के पत्तों की तरह ढ़ह गया। हद तो यह है कि सरकार ने पुल ढ़हने की बात को सिरे से खारिज कर दिया। यहां तक कि उल्टे ग्रामीणों के ऊपर ही केस दर्ज करा दिया गया। ऐसे में कैसे बेईमानी से लड़ा जाएगा? याद कीजिए, इसी सरकार में चूहे करोड़ों की शराब पी चुके हैं। अब यह भ्रष्टाचार नहीं तो क्या है? आखिर, सरकार या संबंधित विभाग के मंत्री ने पहले के मामलों में क्या कदम उठाया? क्या किसी इंजीनियर या ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई? क्या मंत्री को हटाया गया या उनसे जवाब-तलब किया गया?

आश्चर्य की बात है कि सरकार की तरफसे ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है। यही वजह है कि लगातार एक-के-बाद-एक पुल भरभरा कर गिर रहे हैं। दरअसल, बिहार में पुल नहीं सरकार की साख ढ़ह रही है, और सरकार थोथे तर्कों के तीर चला रही है। करप्शन की सीमेंट और घोटाले की रेत पर पुल बन रहे हैं, और जमींदोज हो रहे हैं। सालों-साल चलने वाले नहींग बल्कि कुछ ही दिनों के मेहमान रहते हैं पुल। स्यापा देखिए कि सरकार इसे भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि प्राकृतिक आपदा बताती है। राज्य में कुछेक घटना तो ऐसी हुई कि पुल उद्घाटन से पहले ही गिर गया। पिछले सितम्बर में किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड के गोवाबाड़ी में 1.41 करोड़ की लागत से बना पुल कांकई नदी की धारा में बह गया। बिहार की वर्तमान सरकार भले ही अपनी कमियों का ठीकरा पूर्व की सरकार पर मढ़े, मगर पब्लिक सब जानती है।

पेगासस से आगे खड़े खतरे

कभी इजरायल की सरकार जिस पेगासस स्पाईवेयर को अपनी उपलब्धि बताकर दुनिया भर के देशों को बेचा करती थी, अब उसे ही पेगासस बनाने वाली कंपनी के दफ्तरों पर छापा डालना पड़ रहा है। फ्रांस की सरकार ने जिस तरह से इस मसले पर अपना विरोध जताया, उसके बाद इजरायल सरकार के पास कोई चारा भी नहीं था। दुनिया भर में इजरायल के साथ खड़ी होने वाली सरकारें वैसे ही बहुत कम हैं। ऐसे में, पश्चिमी यूरोप के एक महत्वपूर्ण देश को अपना विरोधी बनाना उसे महंगा पड़ सकता था। यह संकट कितना बड़ा था, इसे इससे भी समझा जा सकता है कि बात ज्यादा न बिगड़े, इसके लिए इजरायल को अपने रक्षा मंत्री को पेरिस भेजना पड़ा। फ्रांस का विरोध भी पूरी तरह जायज था। तो क्या इजरायल सरकार की ताजा सक्रियता से पेगासस पीड़ित लोग या देश और निजता व मानवाधिकारों की चिंता करने वाले कोई उम्मीद बांध सकते हैं? शायद नहीं।

वैसे उम्मीद बांधने का एक और कारण मौजूद है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव को इन दिनों फिर से झाड़-पोंछकर निकाला गया है, जो इस तरह के स्पाईवेयर, यानी जासूसी सॉफ्टवेयर को खरीदने-बेचने पर पाबंदी लगाने की बात करता है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के ऐसे प्रस्ताव अगर वाकई किसी काम के होते, तो दुनिया में आतंकवाद कब का खत्म हो गया होता और कहीं भी न अंतरराष्ट्रीय रंजिशें होतीं और न हथियारों की होड़।

इस पूरे मामले की जटिलता को समझने के लिए हमें पेगासस को समझना होगा। पेगासस एक व्यावसायिक स्पाईवेयर है, जिसे एनएसओ नाम की इजरायली कंपनी बनाती और दुनिया भर में बेचती है। ऐसी कंपनियों की बहुत सी बातें सार्वजनिक होती हैं, जैसे उनके स्वामित्व की जानकारी, उनके लाभ-हानि का खाता आदि। फिर ऐसी कंपनियों को ज्यादा बिक्री करने और ज्यादा लाभ कमाने के लिए अपना लगातार प्रचार करना होता है। ऐसे में, बहुत सारी बातें छिपी नहीं रह सकतीं, बावजूद तमाम सावधानियों के। लेकिन स्पाईवेयर के सभी मामलों में ऐसा नहीं होता।

तीन साल पहले जब गूगल आईफोन में इस्तेमाल होने वाले अपने एप की जांच कर रहा था, तब उसने पाया कि आईफोन में एक ऐसा स्पाईवेयर है, जो उपयोगकर्ताओं के संदेश और कई अन्य डाटा चुरा रहा है। आगे जांच में यह भी स्पष्ट हो गया कि सारा डाटा चीन के किसी ऐसे सर्वर में पहुंचाया जा रहा है, जो इस चोरी में चीन की सरकार के शामिल होने की ओर इशारा करता था। सरकारें या सरकारी संस्थाएं जब ऐसे काम करती हैं, तब सब कुछ चुपचाप होता है और बड़ी मुश्किल से या संयोगवश ही किसी को उसकी भनक लग पाती है। इसी घटना के बाद से चीन में बने सभी एप और सॉफ्टवेयर को पूरी दुनिया में शक की नजरों से देखा जाता है।

यह माना जाता है कि अगर जासूसी की कोई आधुनिक तकनीक संभव है, तो वह अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पास तो होगी ही। सीआईए में काम कर चुके व्हिसल ब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन ने जो खुलासे किए हैं, वे इसके बारे में बहुत कुछ बताते हैं। सॉफ्टवेयर तकनीक के जानकार स्नोडेन ने ऐसे कुछ तरीकों का प्रदर्शन भी किया है, जिनके जरिये इस तरह की जासूसी से बचा जा सकता है। लेकिन स्नोडेन ने जब सीआईए छोड़ा था, तब से अब तक तकनीकी जासूसी वाली महारत काफी आगे बढ़ चुकी होगी।

अगर सीआईए ऐसा कर सकती है, तो ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई-5 ने ऐसी कोशिश नहीं की होगी, यह कैसे मान लिया जाए? साइबर जासूसी में रूस के कारनामे तो पिछले कुछ समय से दुनिया भर में चर्चा का विषय बने हुए हैं। और यह मानने का भी कोई कारण नहीं है कि इजरायल से विरोध जताने वाले फ्रांस की खुफिया एजेंसी डीजीएसई ने ऐसी कोशिश से परहेज किया होगा। खुद भारत ने भी ऐसे कामों के लिए नेशनल टेक्निकल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन नामक संस्था बनाई है, जो सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के मातहत काम करती है। अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में बनी यह संस्था कितनी सफल रही है, इसे हम नहीं जानते, लेकिन कुछ घपलों-घोटालों के लिए यह विवादों में जरूर रही है। वैसे यह भी माना जाता है कि सफल खुफियागिरी वही है, जिसकी सफलता-विफलता के बारे में किसी को खबर न लगे। ऐसे काम क्योंकि सरकारी एजेंसियां करती हैं, इसलिए अमूमन उनके बारे में बहुत ज्यादा पता नहीं चल पाता है।

पेगासस सरकारी एजेंसी न होकर एक निजी कंपनी है, इसलिए विवाद उठते ही उसके बारे में बहुत कुछ पता चल गया। यह भी मालूम हो गया कि उसके स्पाईवेयर की कीमत कितनी है और यह भी कि जिन स्मार्टफोन की इससे जासूसी की जा रही है, यह उन सबकी कुल कीमत से भी हजारों गुना महंगा है। पहली नजर में यह धंधा काफी मुनाफे वाला लगता है, और इसलिए संभव है कि दुनिया भर की अन्य कंपनियां भी इस कारोबार में कूदने की कोशिश करें। यह भी हो सकता है कि कैलिफोर्निया की कोई कंपनी इसे विकसित करने का काम बेंगलुरु या गुड़गांव के किसी स्टार्टअप को सौंप दे। फिर, जो पाकिस्तान परमाणु बम बनाने की कोशिश कर सकता है, वह इसे बनाने की कोशिश क्यों नहीं करेगा?

पेगासस का मामला दरअसल एक ऐसी दुनिया में आया है, जो निजता के हनन के खिलाफ अपनी लड़ाई लगभग हार चुकी है। आपकी निजता हर क्षण बड़े पैमाने पर दुनिया भर के बड़े-बड़े सर्वरों के हवाले हो रही है। इसका एक मुकम्मल बाजार विकसित हो चुका है, जहां हमारी-आपकी निजता की बोली भी लगती है और इसकी खरीद-फरोख्त भी होती है। पेगासस जैसे स्पाईवेयर किसी की भी निजता को हड़पने का यही काम ज्यादा गहराई से करते हैं, लेकिन वे इस बाजार में नहीं आते। वे निजता के कारोबार में नहीं हैं, बल्कि वे निजता के राजनीतिक इस्तेमाल के लिए बनाए गए हैं, जो कई तरह से ज्यादा खतरनाक बात है।

जब तक दुनिया में निजता के हनन के तरीके मौजूद हैं, ऐसे स्पाईवेयर विकसित होते रहेंगे। क्या इन्हें रोका जा सकता है? खासतौर पर तब, जब इसके लिए लड़ने वाली ताकतें थक चुकी हैं और कई अदालतों में हार चुकी हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> जब तक दुनिया में निजता के हनन के तरीके मौजूद हैं, ऐसे स्पाईवेयर विकसित होते रहेंगे। क्या इन्हें रोका जा सकता है? खासतौर पर तब, जब इसके लिए लड़ने वाली ताकतें थक चुकी हैं और कई अदालतों में हार चुकी हैं।

लापरवाही देश को पड़ सकती है भारी

कोरोना की दूसरी लहर के बाद किए गए सीरो सर्वे में देश के 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन नये कोरोना मरीजों के आंकड़ों का 40 हजार के आसपास रुक जाना किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन व दुनिया के बड़े वैज्ञानिक व चिकित्सा विशेषज्ञ सभी देशों को लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वह अपने यहां लगाई गई पाबंदियों में ढील ना दें। दुनिया भर में जल्दी ही कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है। कई देशों में तो कोरोना की तीसरी लहर प्रारंभ भी हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि तीसरी लहर में कोरोना का वायरस पहले से ज्यादा प्रभावी होगा, जिसके बड़े दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ब्रिटेन, अमेरिका, रूस समेत कई बड़े देशों में कोरोना के बढ़ते आंकड़े भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। दुनिया भर में कोरोना वैक्सीन लगाए जाने के बावजूद जिस तेजी से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि कोरोना की तीसरी लहर शुरू हो चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार लोगों को चेता रहे हैं कि बेवजह घरों से निकलकर अनावश्यक भीड़भाड़ इक्ठठी ना करें। प्रधानमंत्री ने पहाड़ी क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों पर उमड़ रही पर्यटकों की भीड़ पर भी नाराजगी जताते हुए उन राज्य सरकारों को चेताया है कि बड़ी संख्या में पर्यटक एकत्रित होकर कोरोना गाइडलाइन की पालना भी नहीं कर रहे हैं। ऐसे में वे स्वयं व घर आकर अपने परिवार के लोगों को भी संक्रमित करेंगे। इससे बचने का एकमात्र उपाय है अपने घरों पर ही रहे। कोरोना वायरस की दूसरी लहर अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। इसी बीच कई राज्यों से नए मामले बढ़ने की खबरें सामने आने लगी हैं।

केरल में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में केरल सरकार की ओर से बकरीद पर लॉकडाउन में ढील दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई व जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि यह अफसोस की बात है कि राज्य सरकार व्यापारी संगठनों के दबाव में आ गई। उन इलाकों में भी दुकान खोलने की अनुमति दी जहां कोरोना दर 15 फीसदी से अधिक है और लोगों की जान को खतरे में डाल दिया।

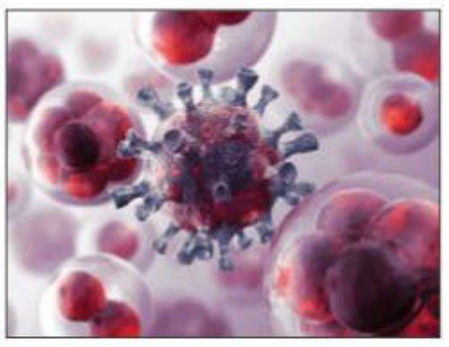

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल सरकार ने बकरीद के अवसर पर इस तरह की छूट देकर देश के नागरिकों के लिए राष्ट्रव्यापी महामारी के जोखिम को बढ़ा दिया है। कोरोना की दूसरी लहर के बाद किए गए सीरो सर्वे में देश के 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन नये कोरोना मरीजों के आंकड़ों का 40 हजार के आसपास रुक जाना किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कहा है कि कोरोना के आंकड़े जिस तरह से स्थिर हो गए हैं। उसे देखने के बाद संभावना है कि आंकड़ों में बहुत जल्दी बढ़ोत्तरी देखने को मिले। देश के 13 राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा के अलावा पूर्वोत्तर के कई राज्यों में जिस तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं वो डराने वाले हैं।

देश में अभी प्रतिदिन 40 हजार कोरोना के नए केस मिल रहे हैं। जबकि देश में पहली बार संपूर्ण लॉकडाउन लगा था तब मात्र 85 कोरोना पॉजिटिव केस मिले थे। उससे तुलना करें तो वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। देश में अभी तक तीन करोड़ नौ लाख के करीब कोरोना पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। जिनमें से तीन करोड़ पांच लाख यानी 99 प्रतिशत कोरोना पॉजिटिव केस रिकवर हो चुके हैं। वही 4 लाख 20 हजार लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है जो एक प्रतिशत है। देश में अभी तक कोरोना के 35 करोड़ नमूने लेकर उनकी जांच की जा चुकी है। वर्तमान में भी प्रतिदिन 17 से 18 लाख कोरोना के नमूनों की देश में जांच की जा रही है। पूर्वोत्तर के आठ प्रदेशों में कोरोना पॉजिटिव केसों में एकाएक बढ़ोतरी होना बड़ी चिंता का विषय है। कोरोना की पहली लहर में पूर्वोत्तर के आठ प्रदेश कोरोना से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए थे। मगर इस बार वहां कोरोना का काफी प्रभाव देखने को मिल रहा है। अभी देश में कोरोना से प्रतिदिन होने वाली मौत का आंकड़ा 500 से अधिक है। कोरोना की दूसरी लहर गुजर जाने के बाद भी लगातार 40 हजार से अधिक पॉजिटिव केसों का मिलना व 500 लोगों की प्रतिदिन मौत पर काबू नहीं हो रहा है। ऐसे में यदि कोरोना की तीसरी लहर आ जाती है तो स्थिति एक बार फिर बिगड़ सकती है।

कोरोना की दूसरी लहर में पूरे देश ने देखा था कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार पूरी तरह फेल हो गई थी। देश में ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार मचा था। यहां तक कि पानी के जहाजों से विदेशों से भी ऑक्सीजन मंगवानी पड़ी थी। दूसरी लहर के बाद देश के सरकारी व निजी अस्पतालों में तेजी से ऑक्सीजन गैस प्लांट लगाए जा रहे हैं जो काफी नहीं है। ऑक्सीजन के मामले में महाराष्ट्र सबसे पहले आत्मनिर्भर होने वाला राज्य बना है। देश के अन्य राज्यों को भी ऑक्सीजन उत्पादन के क्षेत्र में महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करना चाहिए।

देश में अभी कोरोना की तीन कंपनियों की वैक्सीन उपलब्ध हैं जो पर्याप्त नहीं हैं। सीरम इंस्टीट्यूट की कोवोशिल्ड ही बड़ी मात्रा में उत्पादित हो रही है। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का उत्पादन अभी बहुत कम है। रूस की स्पुतनिक वी अभी कम संख्या में ही आयात की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वैक्सीन ही कोरोना का सबसे बड़ा बचाव का साधन है। मगर सरकार पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। देश में मात्र 42 करोड़ लोगों को ही अभी तक वैक्सीन की एक डोज लगाई गई है।

कोरोना नियंत्रण की दिशा में महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु ने अभी तक लॉकडाउन के दौरान की गई पाबंदियों को पूरी तरह नहीं हटाया है। इस कारण वहां कोरोना नियंत्रण में बड़ी सफलता मिली है। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारें होटल मालिकों के दबाव में पर्यटकों को लुभाने के लिए कोरोना गाइडलाइन की पालना नहीं करवा पा रही हैं। जो पूरे देश के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। देश के लोगों को अभी भी कोरोना गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करना चाहिए ताकि सभी के सहयोग से कोरोना को मात दी जा सके।

मौत की नींद सुलाती झपकी

उत्तर प्रदेश में अवैध बसों का संचालन अघोषित रूप से बड़े उद्योग का रूप लेता जा रहा है। नोएडा से आगरा तक जाने वाले यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे बनने के बाद से तो इस अवैध धंधे को जैसे पंख ही लग गए हों, लेकिन इस धंधे की बड़ी कीमत लोगों को जान देकर चुकानी पड़ रही है। इन दोनों सड़कों पर साल भर बड़े हादसे होते रहते हैं। खासकर उन सैकड़ों डग्गामार (अवैध) बसों की वजह से जो बिहार और उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के जिलों और लखनऊ से कानून-कायदे को ताक पर रखकर बेरोकटोक चल रही हैं।

अवैध बसों के संचालन का ताजा मामला इसलिए सुतखयों में है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डग्गामार बसों के संचालन को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की बात कही है। यह नौबत भी शायद इसलिए आई कि बीते दिनों पंजाब और हरियाणा के 135 मजदूरों को लेकर बिहार जा रही एक डबल डेकर बस की 18 सवारियों की बाराबंकी में हुई दुर्घटना में मौत हो गई। 25 घायल हो गए जिनमें 11 की हालत गंभीर बताई गई। लिहाजा, प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जवाब तलब किया है कि आखिर, हरियाणा से चली बिना परमिट बस की जांच क्यों नहीं की गई? वह प्रदेश में प्रवेश कैसे कर गई? मुख्यमंत्री ने कहा है कि अवैध रूप से चल रहे वाहनों का संचालन हर हाल में रोका जाए। सरकार की तरफ से सख्ती का इशारा मिलते ही परिवहन विभाग ने बिहार, झारखंड, दिल्लीग हरियाणाग पश्चिम बंगाल और पंजाब से उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करने वाले अवैध वाहनों पाए जाने पर आरटीओ को जवाबदेह बनाने की बात कही है। लेकिन सवाल है कि आखिर, कार्रवाई का यह टोटका कितने दिनों के लिए है? क्योंकि जब भी इस तरह की कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तब सरकार, शासन, प्रशासन कुछ दिनों तक ऐसे टोटके करके फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं। याद कीजिए, अरसा पहले यमुना एक्सप्रेसवे पर एक सरकारी बस दुर्घटनाग्रस्त होकर झील में जा गिरी थी, जिसमें 29 यात्रियों की मौत हो गई थी। मामला राज्य सभा में भी उठा था।

सवाल है कि एक्सप्रेसवे, ड्राइवरों और परिवहन के लिए बने कानूनों व नियमों के अंतर्गत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकारें क्या कार्रवाई कर रही हैं? किसी से छिपा नहीं है कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर रोजाना बड़ी संख्या में प्राइवेट बस अवैध रूप से बेतरतीब दौड़ रही हैं, जिनके पास इस रूट पर चलने का परमिट ही नहीं है। यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के दर्जन भर जिलों से होकर गुजरते हैं। यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर जगह-जगह साइनबोर्ड लगे हैं कि सड़क की दाहिनी लेन सिर्फ ओवरटेकिंग के लिए है। उस लेन में एक साथ दर्जनों ट्रकों को चलते देखा जा सकता है। मार्ग पर इक्का-दुक्का को छोड़ दें, तो बाकी इसका उल्लंघन ही करते हैं। सरकार ने दोनों एक्सप्रेसवेज पर छोटे वाहनों, कार आदि के लिए प्रति घंटा सौ किमी. की स्पीड तय की हैग जबकि एक्सप्रेसवेज के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 120 किमी. प्रति घंटा तय की है। इस गति सीमा के बावजूद टोल टैक्स एक्सप्रेसवेज के ही मानक का लिया जा रहा है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर नवम्बर, 2017 से फरवरी, 2019 के बीच सड़क हादसों पर आई एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि इस रोड पर 35 फीसद दुर्घटनाएं ड्राइवरों के झपकी आने से हुई थीं। इस तथ्य की भी पुष्टि की थी कि एक बस में दो ड्राइवरों की व्यवस्था न करके यात्रियों की जान जोखिम में डालने का खतरा मोल लिया जा रहा है। मानक से अधिक गतिग छुट्टा जानवरों का सड़कों पर आ जाना, टायर फटना और गलत ड्राइविंग के चलते वाहनों की सीधी टक्कर जैसी वजहों को भी खास तौर से दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार बताया गया था।

अतीत पर नजर डालेंगे तो यमुना एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर यातायात सुचारू रखने में लापरवाही और उदासीनता के मामलों में बीते कई वर्षा में कोई अधिकारी दंडित नहीं हुआ होगा। 2012 से 2019 तक अकेले यमुना एक्सप्रेसवे पर छह हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में नौ सौ से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं जबकि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शुरू के ढाई साल में ही लगभग सवा दो सौ लोगों की मौत हो चुकी थीं। हादसों को रोकने के वाहनों के टायरों में नाइट्रोजन और प्रशिक्षित ड्राइवरों का होना बेहद जरूरी हैग लेकिन इन कानूनों और नियमों का प्रभावी अनुपालन कराना और इस दिशा लापरवाह अफसरों पर कड़ी कार्रवाई भी कम जरूरी नहीं है बशर्ते सरकार और शासन के भी एजेंडे पर मुसाफिरों की जान की फिक्र प्राथमिकता पर हो।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

चंबल और सिंध नदी उफान पर

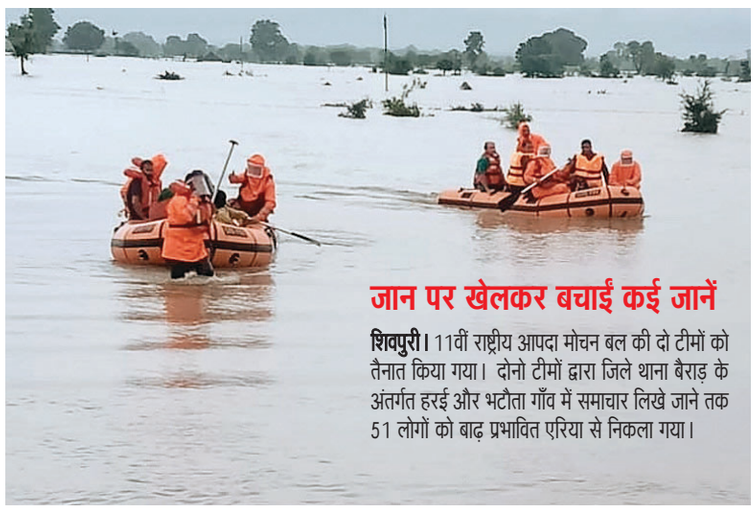

जान पर खेलकर बचाई कई जानें

शिवपुरी। 11वीं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की दो टीमों को तैनात किया गया। दोनो टीमों द्वारा जिले थाना बैराड़ के अंतर्गत हरई और भटौता गाँव में समाचार लिखे जाने तक 51 लोगों को बाढ़ प्रभावित एरिया से निकला गया।

क्वारी नदी ने टापू में तब्दील किए गांव, एक दर्जन गांवों के 200 से अधिक परिवार किए स्कूल-पंचायत भवनों में शिफ्ट

मुरैना, (एजेंसी)। जिले के गांवों को इस बार एक नहीं दो नदियों ने घेर लिया है। क्वारी नदी ने गांवों को टापू में तब्दील कर दिया तो चंबल का पानी भी धीरे-धीरे कई गांवों को घेरने पहुंच गया। डूब में आए गांव की सूचना मिलते ही प्रशासनिक टीम ने रेस्क्यू कर एक दर्जन से अधिक गांव के 200 से अधिक परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर दिया है। चंबल नदी का जल स्तर खतरे के निशान को पार करते हुए पुराने पुल के नजदीक पहुंच गया है। ।

चंबल नदी से पहले इस बार क्वारी नदी में उफान आ गया था। क्वारी नदी का पानी बीते रोज से ही कई गांव में पहुंचना शुरू हो गया। इधर चंबल नदी ने भी आज रोद्र रूप धारण कर लिया। मंगलवार को क्वारी नदी की बाढ़ ने जौरा तहसील के काबिल गांव को टापू में तब्दील कर दिया। गांव के तकरीबन 150 परिवारों को सरकारी स्कूल व पंचायत भवन में शिफ्ट कर दिया। कुछ परिवार सुरक्षित बाहर आने के बाद अपने रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं। क्वारी नदी ने ही लहर गांव के भागीरथ का पुरा में बने मकानों को घेरा। यहां से प्रशासन ने पांच परिवारों को नाव के जरिए बाहर निकाला और सरकारी स्कूल में शिफ्ट किया।

सिंध नदी के किनारे बसे 70 से ज्यादा गांवों में अलर्ट

भिंड। जिले की मुख्य नदी सिंध में मड़ीखेरा बांध एवं ककेटो बांध से 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने से जल स्तर बढ़ने लगा है। यह जलस्तर शाम को खतरे के निशान से ऊपर हो गया है। सिंध नदी के आसपास के 70 से ज्यादा गांव को जिला प्रशासन ने अलर्ट किया गया है। वहीं चंबल नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। चंबल नदी के किनारे के 14 गांव अलर्ट किए जा चुके हैं। शाम तक चंबल भी खतरे के निशान से ऊपर पहुंच चुकी है। बरसात के कारण विगत दिनों जेल की दीवार गिरने से 21 लोग जख्मी हो गये थे, जिनका उपचार अस्पताल में किया जा रहा है वहीं दबोह क्षेत्र में एक कच्चा मकान गिरने से एक परिवार के कई लोग घायल हो गये और एक बच्ची की मौत हो चुकी है।

मणिखेड़ा डैम से छोड़े पानी से संकुआ धाम जलमग्न

दतिया। पिछले 1 सप्ताह से ऊपरी क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश के कारण मणिखेड़ा डैम लबालब भर गया था जिसके चलते सोमवार को 10000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया जिसके चलते सिंध नदी में जलस्तर बढ़ने की संभावना नजर आई जिसके चलते स्थानीय अधिकारियों को जैसे ही सूचना लगी वैसे ही सेबड़ा नगर व सिंध नदी के घाटों के समीपस्थ ग्रामो को मुनादी कर सूचित किया गया । संकुआ धाम पर प्राचीन छोटा पुल, काली माता मंदिर व संकुआ कुंड समेत दो दर्जन से अधिक छोटे बड़े मंदिर सिंध नदी के जल से डूब गए।

ट्रैक लबालब, 17 घंटे खड़ी रही इंटरसिटी एक्सप्रेस

शिवपुरी के पास भारी बारिश की वजह से रेलवे ट्रैक पर लबालब पानी भरा गया। दोनों ट्रैक पर पहाड़ों से झरने बहने की वजह से रेलवे ट्रैक नदी जैसा लगने लगा। इस कारण ग्वालियर-इंदौर इंटरसिटी एक्सप्रेस सोमवार रात 9.30 बजे से शिवपुरी के पास पाड़रखेड़ा रेलवे स्टेशन पर 17 घंटे खड़ी रही। ट्रेन ने ग्वालियर से सोमवार रात करीब आठ बजे चली थी। मंगलवार दोपहर एक बजे तक यह ट्रेन यहीं खड़ी रही। इसके बाद यह पाड़रखेड़ा से रवाना हुई और 4 घंटे बाद शाम 5 बजे गुना पहुंची। पहले ट्रेन ग्वालियर वापस लाने की तैयारी थी, लेकिन दोपहर 1 बजे के बाद ट्रैक पर पानी थोड़ा कम हुआ तो ट्रेन को आगे बढ़ाया गया। धीरे-धीरे ट्रेन 4 घंटे में गुना पहुंची। तब जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली।

आफत की बारिश में कई घरों में नहीं जले चूल्हे, छतों पर जाकर बचाई जान

शिवपुरी। सोमवार को 24 घंटे से भी अधिक समय से हो रही बारिश शिवपुरीवासियों के लिए आफत की बारिश साबित हो रही है क्योंकि शहर के सारे नाले चार से लेकर पांच फुट ऊपर बहे रहे है कई जगह तो लोगों ने अपनी जान घर के छत पर जाकर भूखे प्यासे रहकर बचाई है । जिन क्षेत्रों में लोगों का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है उनमें शंकर कॉलोनी, महावीर नगर, विष्णु मंदिर रोड नाले किनारे बने मकान, पुरानी शिवपुरी रामपुर दरवाजा, मंगल मसाले गली, कमलागंज, लाल माटी सहित कई क्षेत्र आफत की बारिश से प्रभावित रहे हैं। इस आफत की बारिश में कई व्यापारी काफी प्रभावित हुए है और उनका लाखो रुपए का नुकसान इस बारिश में हो गया। शहर के मुख्य ठंडी सड़क पर कई दुकानों में पानी भर गया।

मंत्री यशोधरा राजे ने रात 3.30 बजे की अफसरों संग बैठक , प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

शिवपुरी। बाढ़ के हालात पर काबू पाने के लिए सोमवार की देर रात खेल मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक यशोधरा राजे सिंधिया शिवपुरी पहुंची और रात साढ़े तीन बजे अफसरों के साथ सर्किट हाउस में बैठक की। हालात के बारे में पूरी जानकारी लेने के बाद प्रशासन और पुलिस के अफसरों की ड्यूटी में जिम्मेदारी के हिसाब से सुधार किया। मंगलवार सुबह फिर पुलिस कंट्रोल रूम में पहुंची, जहां अपडेट लेने के साथ अफसरों को स्थिति पर नियंत्रण करने एवं सामंजस्य बनने के तरीके बताए। उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और एयरफोर्स को बैकअप देने के निर्देश दिए। बाढ़ में फंसे लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने एवं रेस्क्यू कर लाए जा रहे ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराने की व्यवस्थाओं को जायजा लिया।

देवास में मकान गिरने से छह लोग मलबे में दबे, दो गंभीर

देवास। सोमवार शाम से हो रही लगातार बारिश के चलते देर रात करीब 3 बजे बीएनपी थाना अंतर्गत ग्राम बिलावली में सीताराम का एक कच्चा मकान भरभरा कर गिर गया। जिसमें एक ही परिवार के 6 लोग मलबे में दब गए थे। जिन्हें आसपास के लोगों की मदद से सुरक्षित निकाल कर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। इससे पहले ही ग्रामीणों ने सभी लोगों को सुरक्षित निकाला। सभी घायलों का उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सीताराम तंवर और उनके बेटे कुंदन तंवर की हालत गंभीर है।

बाढ़ के पानी में डूबकर बालक की मौत

भिंड में मंगलवार को क्वारी नदी का पानी सुंदरपुर गांव तक पहुंच गया। खेतों में पानी भरा देख गांव के बच्चे इसमें नहाने चले गए। आधा दर्जन बच्चे खेतों में भरे पानी में नहा रहे थे। तभी इनमें से विष्णु पुत्र रामवीर बघेल 14 वर्ष खेत में ही हो रहे एक गड्ढे में चला गया। पानी भरा होने के कारण उसे गड्ढा नहीं दिखा था। बच्चों ने परिजनों को इसकी सूचना दी। जब तक परिजन दौड़कर उस खेत में पहुंचे तब तक विष्णु की मौत हो चुकी थी।

24 घंटों से लगातार बारिश से चंदेरी और ईसागढ़ भी जलमग्न

अशोकनगर। जिले में भारी बारिश से जिला मुख्यालय से कई गांवों और कस्बों का संपर्क टूट गया है। यहां का तुलसी सरोवर पूरी तरह जलमग्न है। अशोकनगर जिला मुख्यालय सहित चंदेरी और ईसागढ़ में भी भारी बारिश हो रही है। जिसकी वजह कई स्थानों पर मकान ढहने और ग्रामीण क्षेत्रों से जिला मुख्यालय का सम्पर्क टूटने की खबरें आई। मौसम विभाग ने गुरुवार तक भारी से भारी बारिश की चेतावनी दी है। लगातार हो रही बारिश की वजह से धौरा गांव पानी से घिर गया।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का आज करेंगे दौरा

भोपाल, एजेंसी। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया जिले में बाढ़ ग्रस्त गांवों का दौरा करेंगे। डॉ. मिश्रा बुधवार 4 अगस्त को सुबह 10 बजे ग्राम औरिना, 10.30 बजे हनोतिया, 11 बजे बड़ौनकलां और 11.30 बजे कोटरा में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का कार से दौरा करेंगे। डॉ. मिश्रा दौरे के पश्चात दोपहर 12.10 बजे दतिया से भोपाल के लिये छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से प्रस्थान करेंगे। वे सायंकाल 6 बजे भोपाल पहुंचेंगे।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राहत उपायों को लेकर की चर्चा

ग्वालियर। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मध्यप्रदेश के श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर जिलों के कुछ हिस्सों में अतिवर्षा के कारण उपजी स्थितियों पर चिंता जताते हुए राहत उपायों को लेकर चर्चा की। श्री तोमर ने प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत और बचाव के उपायों को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ ही संभागायुक्त और कलेक्टर तथा दिल्ली में रक्षा मंत्रालय में भी संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। श्री तोमर ने कहा है कि अतिवर्षा से प्रभावित लोगों को तुरंत राहत शिविरों में शिफ्ट किया जाएं तथा वहां उनके रहने और भोजन इत्यादि के समुचित प्रबंध किए जाएं।

संक्षिप्त खबर

खरगोन: अतिक्रमण कर धरना दे रहे मेधा पाटकर समेत 350 लोग हिरासत में

खरगोन। कसरावद तहसील के अंतर्गत सतराटी स्थित शासकीय जमीन पर अपनी मांगों के समर्थन में तीन वर्ष से अधिक समय से आंदोलन कर रहे लोगों को मंगलवार को प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के तहत हटा दिया गया। पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी के समक्ष शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर श्रमिक जनता संघ के बैनर तले धरनारत लोगों को आज पुलिस और प्रशासन के बल की अगुआई कर रहे कसरावद के एसडीएम ने प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर हटा दिया। इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर और 40 महिलाओं समेत 350 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सुश्री पाटकर को कसरावद स्थित एनवीडीए के रेस्ट हाउस में रखा गया है तथा शेष प्रदर्शनकारियों को आईटीआई कॉलेज और कन्या छात्रावास में रखा गया है। एसपी चौहान ने स्पष्ट किया कि महिला पुलिस बल ने विधिपूर्वक उचित तरीके से धरनारत लोगों को हटाकर हिरासत में लिया गया।

सागर: जुआ फड़ से पुलिस को देख भागा युवक घायल, सात पुलिसकर्मी लाइन अटैच

सागर। पुलिस अधीक्षक ने दबिश देने गए एसआई सहित सात पुलिसकर्मियों को लाईन अटैच कर दिया है, तो वहीं कलेक्टर ने मजिस्ट्रियल जाँच के निर्देश दिए है। गढ़ाकोटा थाना के गुंजोरा में जुआ फड़ चलने की सूचना पर सोमवार रात स्थानीय पुलिस द्वारा छापामार कार्रवाई की गई थी। पुलिस को देख जुआरियों में भगदड़ मच गई। इसी दौरान एक युवक रविंद्र सिंह ठाकुर (35) गिर गया जिससे उसके सिर में चोटें आईं। सूचना मिलने पर परिजन घायल युवक को लेकर गढ़ाकोटा सीएचसी पहुंचे जहाँ गंभीर होने पर उसे सागर रैफर किया गया। देर रात रविंद्र को सागर से भोपाल निजी अस्पताल रैफर किया गया। बताया जाता है कि युवक को ब्रेनहेमरेज होने की शिकायत है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान युवक के साथ हुई इस घटना को लेकर मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह ने कार्रवाई में शामिल एसआई आर के जोराम सहित एक प्रधान आरक्षक एवं पांच आरक्षकों को लाइन अटैच करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

भिंड: पटवारी ने पांच हजार की रिश्वत के बदले महिला से किया दुष्कर्म

भिंड। मेहगांव के खेरिया तोर हल्का पर तैनान पटवारी ने एक महिला से जमीन और मकान का नामांतरण कराए जाने के बदले में दुष्कर्म किया। इसके बाद महिला पति के साथ पुनः कागजों को लेने पहुंची तो उसे फिर से कोशिश की। इस पर महिला ने महिला थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करा दी। हालांकि पटवारी फरार है। पुलिस के अनुसार खेरिया तोर गांव की 25 वर्षीय विवाहिता ने महिला थाना आकर शिकायती आवेदन दिया कि उसके साथ रेप हुआ है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वो गांव की अपनी जमीन व मकान का नामांतरण कराने के लिए 21 जुलाई को पटवारी संजय पावक के पास गई थी। इस समय संजय ने पांच हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। इस दौरान पांच हजार रुपए न होने की बात कही। इस पर पटवारी ने अकेला पाकर अजीब मांग रख दी। इसके बाद पटवारी संजय ने मेरे साथ दुष्कर्म किया।

रायपुर: हवाई यात्रा के लिए आरटीपीसीआर रिपोर्ट निगेटिव होने पर ही मिलेगा छग में प्रवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने कई विमान यात्रियों के विमानतल पर जांच में कोरोना पाजिटिव मिलने के बाद आगामी 08 अगस्त से टीके के दोनो डोज लगवा चुके लोगों को भी आरटीपीसीआर रिपोर्ट को रखना अनिवार्य कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह द्वारा जारी निर्देश में कहा कि बाहर से आने वाले विमान यात्रियों को आरटीपीसीआर रिपोर्ट रखना अनिवार्य होगा। केवल आईसीएमआर द्वारा स्वीकृत एवं प्रमाणित पैथोलाजी रिपोर्ट को ही मान्य किया जाएंगा। रिपोर्ट में आईसीएमआर आईडी अथवा एसआरएफ आईडी अंकित नहीं होने की स्थिति में विमानतल पर ही आरटीपीसीआर जांच के लिए निर्देशित किया जाएंगा। टीके के दोनों डोज लगवा चुके लोगो को भी 96 घंटे के भीतर की आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट लाना अनिवार्य होगा। रिपोर्ट निगेटिव नही होने पर विमानतल पर ही आरटीपीसीआर/आर.ए.टी जांच अनिवार्य होंगी।

राज्यपाल पहुंचे बैतूल के बांचा गांव, आदिवासी के घर किया भोजन

बैतूल, (एजेंसी)। बैतूल में राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने आदिवासी के घर उनके परंपरागत भोजन का स्वाद चखा और उसकी सराहना की। दरअसल देश के पहले सोलर विलेज के नाम से जाने वाले बैतूल के गांव बांचा पहुंचे। राज्यपाल मंगू भाई पटेल का आदिवासी समाज के लोगों ने परंपरागत तरीके से उनका स्वागत किया।

इसके पश्चात राज्यपाल ने स्कूल के बच्चों से बात की और उन्हें चॉकलेट बांटी और स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने सोलर विलेज बाँचा की सराहना की और कहा कि मैं कुदरत की गोदी में आ गया।

राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने आदिवासी युवक अनिल उनके निवास पर भोजन किया उन्हें आदिवासियों के परंपरागत भोजन परोसा गया। जिसमें कुटकी की खीर, तुवर की घुंघरी, मक्के की रोटी, दाल-चावल और गिलकी की शामिल थी। भोजन करने के बाद उन्होंने इस स्वादिष्ट भोजन की सराहना की कार्यक्रम के समापन अवसर पर बुजुर्गों का शाल से सम्मान किया गया और स्कूली बच्चों को बैग वितरित किए गए ।

निगम अफसर के लाकर ने उगला 30 लाख का सोना-चांदी और नगदी

डायरी मिली, दर्ज हैं कई रिश्वतखोरों की कुंडली

इंदौर, (एजेंसी)। निगम के जनकार्य अधीक्षक विजय सक्सेना को 25 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। उनके साथ ही क्लर्क हेमाली वैद्य को लोकायुक्त की टीम ने आरोपी बनाया है। सक्सेना के पास करोड़ों की संपत्ति होने का अनुमान है।

लोकायुक्त को जो दस्तावेज मिले हैं उसमें सक्सेना की पत्नी गिरिजा सक्सेना के नाम एक फर्म महाशक्ति इंटरप्राइजेज जवाहर टेकरी इंदौर में है जो पेवर ब्लॉक बनाने का कार्य करती है। सक्सेना के लाकर से करीब 30 लाख से ज्यादा सोना-चांदी और नकदी मिले हैं। पत्नी के खाते में 14.44 लाख मिले हैं। हेमाली की दराज से मिली डायरी भी इस मामले में अहम सुराग दे रही है, इसमें कई रिश्वतखोरों की

कुंडली है, इसके अनुसार ही लोकायुक्त पुलिस कार्रवाई कर रही है।

देवास और राऊ में भी फ्लैट

लोकायुक्त की टीम ने सक्सेना के लॉकर की जांच की तो उसमें 28 लाख के जेवरात, 1.60 लाख की चांदी और एक लाख 14 हजार 990 रुपए नकदी के साथ ही अन्य कई संपत्ति मिली है। उसकी पत्नी के खाते में 14 लाख 44 हजार की राशि मिली है। डीएसपी पीएस बघेल के मुताबिक निगम के जनकार्य विभाग में पदस्थ अधीक्षक विजय सक्सेना एवं क्लर्क हेमाली वैद्य को ट्रैप किया गया था, जिसके अधीक्षक सक्सेना की अलमारी से 10 लाख 68 हजार 200 रुपए की राशि प्राप्त हुई थी। उनके घर की तलाशी ली गई तलाशी के दौरान अचल संपत्ति तथा बैंक अकाउंट एवं लॉकर संबंधी जानकारी एवं दस्तावेज मिले हैं। मंगलवार को एक टीम ने सुदामा नगर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में लाकर खोलकर लॉकर में रखे सामान की इन्वेंटरी तैयार की गई। लॉकर में 771 ग्राम सोना कीमत रुपए 27 लाख 91 हजार 647 रुपए, तीन किलो चांदी कीमत लगभग एक लाख 60 हजार तथा नगदी एक लाख 14 हजार 990 प्राप्त हुए। साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा में आरोपी सक्सेना की पत्नी गिरिजा सक्सेना के नाम खाता है, जिसमें 14 लाख 44 हजार रुपए से अधिक की राशि तथा अन्य सभी बैंकों के खातों को मिलाकर लगभग 16 लाख 51 हजार 211 रुपए की राशि प्राप्त हुई। इसके साथ ही अचल संपत्ति में 4 प्लॉट तथा 4 मंजिला मकान, जिसमें वह स्वयं निवासरत हैं। इसके साथ ही श्री कृष्णा पैराडाइज राऊ में दो फ्लैट एवम भोपाल चौराहा देवास में एक फ्लैट के कागजात बरामद हुए है।

ऊर्जा मंत्री ने हादसे में मृतक लोगों के परिजनों को दी 24 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

गैस सिलेंडर फटने से नौ की मौत का मामला

भोपाल, एजेंसी। ऊर्जा मंत्री एवं गुना जिला प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मंगलवार को गुना जिले के अहमदाबाद में हुए हादसे में मृतक व्यक्तियों के परिजनों को 24 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी।

उन्होंने मृतकों के परिजनों के कदमों में बैठकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता की घोषणा की थी। मैं आपके साथ हूं। आपके हर दुख दर्द में शामिल रहूंगा। उन्होंने कलेक्टर फ्रेंक नोवल ए. से कहा कि प्रभावित व्यक्तियों को अन्य योजनाओं में भी लाभान्वित करें। ज्ञातव्य है कि ग्राम बेरवास तहसील मक्सूदनगढ़ जिला गुना का एक परिवार अहमदाबाद में रहकर मजदूरी का काम कर रहे थे। रात के समय गैस सिलेंडर फटने से नौ लोगों की मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के अनुरूप 24 लाख रुपए की राशि मृतकों के परिजनों को दी गई। जिसमें दो भाई, पांच बहनों तथा दो महिलाओं के माता-पिता को यह राशि प्रदान की गई।

मारपीट के आरोप में टीआई समेत चार पर मामला दर्ज

अशोकनगर। सिटी कोतवाली में मारपीट के आरोप में कचनार थाना प्रभारी कपिल लाक्षाकार सहित तीन अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है। जांच के बाद सोमवार देर रात पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया ने थाना प्रभारी सहित अन्य आरोपी पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया था। बाद में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी पुलिसकर्मियों सहित अन्य लोगों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट करने और तोडफोड़ करने का प्रकरण दर्ज किया। कोतवाली पुलिस ने पुलिस टीम के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मामले में कचनार थाना प्रभारी कपिल लाक्षाकार, प्रधान आरक्षक शिवेंद्र रघुवंशी, चंद्रपाल नामदेव सहित चार-पांच अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है।

कचनार थाना क्षेत्र के मोहरी-सोनेरा गांव निवासी जोतसिंह यादव का आरोप है कि 31 जुलाई की रात प्रधान आरक्षक चंद्रपाल एक अन्य बाइक चालक से झूमाझटकी कर रहा था। बाइक सवार भाग गए तो प्रधान आरक्षक ने दालान में सोते जोतसिंह से मारपीट की।

शर्मसार : मासूम का शव बाइक पर लेकर जाने विवश हुए परिजन

दमोह। सोमवार रात एक मासूम की जिला अस्पताल में मौत हो जाने के चलते अस्पताल प्रबंधन ने किसी वाहन का इंतजाम करने की जगह बाइक से ही शव को ले जाने के लिए कह दिया। मड़ियादो निवासी अंजली पुत्री हरप्रसाद 6 वर्ष कुछ दिनों पूर्व अपनी माँ के साथ अपने नानिहाल बालाकोट में रह रही थी। अचानक तबीयत खराब होने के चलते वह परिजनों की मदद से उसे बाइक से इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए जहाँ पर इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

पन्ना में खाट के सहारे मरीज को अस्पताल ले जाते परिजन

पन्ना। जिले के रैपुरा क्षेत्र अंतर्गत में मंगलवार सुबह ग्राम कंचनपुरा निवासी प्रेम सिंह धुर्वे के 36 वर्षीय बेटे बबलू सिंह धुर्वे की तबीयत अचानक खराब हो गई। उपचार के लिए जब कोई साधन नहीं मिला तो प्रेम सिंह ने कुछ लोगों के साथ बेटों एक खाट पर लिटाकर चार कंधों में बैठाकर झालाडुमरी के लिए निकल पड़ा।

जहरीली शराबकांड मंदसौर पुलिस ने किया अंतर्राज्यीय संगठित गिरोह का पर्दाफाश, कई जिलों मे चल रहा नेटवर्क

नकली शराब बनाने में किया गया जहरीले मिथाइल अल्कोहल का उपयोग

पुलिस ने किया खुलासा

- श्याम सिंह ने उपलब्ध कराया था राजेंद्र सिंह को मैथोनाल
- नौ दिन में 21 लोगों को किया गिरफ्तार, दो फरार
- खरगोन के कालका नामक व्यक्ति ने टेस्ट कर मिथाइल अल्कोहल को बताया था पीने योग्य

मंदसौर, (एजेंसी)। पूरे प्रदेष में चर्चित पिपलियामंडी क्षेत्र में हुआ जहरीली शराब कांड मामले में मंदसौर जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। 25 जुलाई को वित्त मंत्री जगदीष देवड़ा के विधानसभा क्षेत्र के गांव खखरई में जहरीली शराब पीने से तीन लोगो की मौत हुई थी।

मंदसौर जिला मुख्यालय के पुलिस कंट्रोल रूम मीटिंग हॉल में मंगलवार की शाम आयोजित पत्रकारवार्ता मे पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इस मामले में अवैध शराब का अन्तर्राज्यीय संगठित गिरोह शामिल था। मामले में 21 लोगों को पुलिस अब तक गिरफ्तार कर चुकी है। 2 आरोपी अभी फरार है। उन्होने बताया कि यह संगठित गिरोह मंदसौर के अलावा प्रदेष के कई जिलों में अवैध शराब बैचने वालों को नकली शराब

उपलब्ध कराता था। नकली शराब बनाने के लिए मैथोनाल (मिथाईल अल्कोहल) का उपयोग किया गया। यह केमिकल जहरीला होता हैं। यह केमिकल इंदौर के श्याम सिंह ने राजस्थान के गांव डाबडा थाना हथुनिया जिला प्रतापगढ राजस्थान को विक्रय किया था। उसने इस मैथोनाल से नकली शराब बनाकर पिपलियामंडी क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वाले जयपाल और पिंटु बना को बेची। उन्होंने कुल 25 पेटी नकली शराब राजेंद्र सिंह से खरीदी थी। जिसमें 6 पेटी शराब किराना दुकानों अथवा ढाबों पर अवैध शराब बैचने वालों बैची थी। इसी जहरीली शराब को पीने से पिपलियामंडी क्षेत्र में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि पुलिस ने जहरीली शराब पीने से मरने वालों लोगो की संख्या 8 बताई है। पुलिस ने जहरीली शराब से लोगो के मरने पर पुलिस के सक्रीय होने पर शराब के अवैध कारोबारी ने 18 पेटी शराब नष्ट कर दी।

पुलिस अधीक्षक चौधरी ने बताया कि शराब नष्ट होने के साक्ष्य पुलिस ने एकत्र किए है। उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि सरकारी लायसेंस की शराब दुकानों पर नकली शराब कैसे पहुंची। और शराब ठेंकों से नकली शराब किसने बैची हैं उन्होने कहा कि ठेकों पर नकली शराब बिकने संबधी मामले को लेकर उन्होंने आबकारी विभाग के उच्च अधिकारियों को पूरी जानकारी दे दी है। पुलिस ने नकली शराब बनाने के उपकरण के साथ शराब के होलोग्राम, ढक्कन, खाली बोतले व अन्य सामग्री जप्त की है। पुलिस ने इंदौर क्षेत्र की मैथोनाल उपलब्ध कराने वाली फैक्टरी संचालक एवं उससे मैथोनाल खरीदने वाले श्याम सिंह सहित लगभग 21 लोगो को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। एसपी चौधरी ने बताया कि जहरीली शराब पीने वाले 8 लोगो में से 6 की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ चुकी है। इसमें से 2 लोगो की विसरा रिपोर्ट भी मिल चुकी है। इसमें पाया गया है कि मरने वालों के शरीर में मैथोनाल की मात्रा पाई गई।

चार तस्करों से डेढ़ करोड़ का गांजा जब्त

रीवा, (एजेंसी)। जिले के मऊगंज थाना क्षेत्र से पुलिस ने मंगलवार को चार गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग डेढ़ करोड़ रुपए कीमत का नौ क्विंटल 52 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार उत्तर प्रदेश से गांजे की एक बड़ी खेप रीवा लाए जाने की सूचना पर पुलिस ने मऊगंज चाक मोड़ के समीप एक कंटेनर को पकड़ा। कंटेनर के आगे मोटर साइकिल से जा रहे दो व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया। जो कंटेनर को पुलिस से बचाने के लिए पायलिटिंग कर रहे थे।

कंटेनर की तलाशी पर चालक की सीट के पास एक केबिन में 18-18 किलो की 53 बोरियों में नौ क्विंटल 52 किलो गांजा जब्त किया गया, जिसकी कीमत डेढ़ करोड़ रूपए के करीब बतायी गयी है। पुलिस ने इसे विधिवत जब्त कर लिया। इस प्रकार पुलिस ने गांजे के साथ एक ट्रक, बिना नंबर का एक दुपहिया वाहन, 6 मोबाइल और एक नंबर प्लेट कुल मश्रुका देढ़ करोड़ रूपए का जब्त किया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध थाना मउगंज में एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

मंगलवार को भोपाल स्थित मिंटो हॉल सभाकक्ष में आयोजित हितग्राही सम्मेलन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आयुष्मान योजना में भोपाल की हितग्राही सुश्री धनलक्ष्मी को ढाई करोड़ वां आयुष्मान कार्ड प्रदान किया।

स्वास्थ्य सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी

सीएम ने आयुष्मान योजना के हितग्राही सम्मेलन में कहा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गरीब वर्ग सहित प्रदेश के सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा देना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी के प्रति सरकार सदैव गंभीर रहेगी। पहला सुख निरोगी काया होता है, इस नाते नागरिकों को रोगों से बचाकर अच्छे से अच्छा उपचार दिलवाने के लिए मप्र सरकार पूर्व की तरह बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करेगी। कोरोना के दौर में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई आयुष्मान जैसी योजनाएं निःशुल्क उपचार उपलब्ध करवाती हैं। लोगों को रोगमुक्त करवाने में योजना कारगर हैं।

मुख्यमंत्री मंगलवार को मिंटो हॉल सभाकक्ष में आयुष्मान योजना के हितग्राही सम्मेलन में हितग्राहियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने ढाई करोड़ आयुष्मान कार्ड प्रदाय करने के लक्ष्य को पूरा करते हुए आज भोपाल की सुश्री धनलक्ष्मी को 2.50 करोड़ वां आयुष्मान कार्ड प्रदान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 23 सितंबर 2018 से लागू योजना के क्रियान्वयन में मप्र प्रथम है, इस स्थिति को कायम रखा जाएगा। प्रदेश के ढाई करोड़ नागरिकों को सालाना पांच लाख रुपए का उपचार व्यय प्रदान करने वाली इस योजना का निरंतर विस्तार किया जाएगा। संबल योजना और सस्ता खाद्यान्न प्राप्त करने वाले लोगों को योजना का लाभ दिया जा रहा है क्योंकि सर्वाधिक आवश्यकता इस वर्ग को ही होती है। हर पात्र हितग्राही को इससे जोड़ा जाएगा। योजना में आगामी मार्च तक एक करोड़ से अधिक नवीन हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य है।

सीएम ने कोविड की दूसरी लहर के पीक समय का स्मरण करते हुए कहा कि उस कठिन दौर में ऑक्सीजन और अस्पताल में बिस्तरों की समुचित व्यवस्थाए की गई। अच्छे प्रबंधन से कम से कम जनहानि हुई। आयुष्मान जैसी योजना निर्धन परिवारों के कोरोना से संक्रमित होने के बाद उन्हें उपचार का लाभ दिलवाने का माध्यम बनी। सीएम चौहान ने प्रदेश में आयुष्मान कार्ड बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने वाले उत्कृष्ट कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। सीएम ने आयुष्मान हितग्राहियों से बातचीत भी की।

अब 50 करोड़ रुपए निवेश करने वाले भी एमएसएमई

कैबिनेट ने दी मंजूरी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में भी अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब प्लांट और मशीनरी में 50 करोड़ रुपए तक निवेश करने वालों को भी एमएसएमई के दायरे में शामिल किया जाएगा। कैबिनेट ने मंगलवार को मप्र एमएसएमई विकास नीति- 2021 तथा मप्र एमएसएमई प्रोत्साहन योजना- 2021 को हरी झंडी दे दी है।

अब तक 10 करोड़ रुपए का निवेश प्लांट में और पांच करोड़ रुपए उपकरणों में निवेश करने वाले उद्योगों को ही एमएसएमई के दायरे में शामिल किया जाता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। अब प्रदेश में 250 करोड़ रुपए तक वार्षिक कारोबार करने वाले भी एमएसएमई के दायरे में शामिल हो गए हैं। केंद्र सरकार इस संबंध में पहले ही अधिसूचना जारी कर दी है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने भी नई नीति को मंजूरी दे दी है। यह नीति केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की प्रभावशीलता की तारीख से प्रभावी होगी।

डॉयल 100 सेवा योजना में छह वर्ष में 1100 करोड़ रुपए खर्च होंगे

कैबिनेट ने डायल 100 सेवा योजना के लिए अनुबंधित फर्म की दरों में एक बार फिर संशोधन कर दिया गया है। अब अनुबंधित दरों को 15 फीसदी बढ़ा दिया गया है। फर्म को इस दर पर अगले 6 माह तक संचालन की अनुमति दी गई है। यहां बता दें कि 12 सितंबर 2019 की कैबिनेट की बैठक में वर्ष 2020-2025 तक निरंतर रखने की अनुमति दी गई थी। डॉयल 100 सेवा के एफआरवी की पहुंच के विस्तार के लिए अधिकतम 1200 एफआरवी की कार्य-योजना प्रस्तुत की गई है। जिसे कैबिनेट ने मंजूरी दी है। यानी एंबुलेंस की सेवाओं का दायरा भी बढ़ाया जाएगा। इसके तहत अगले छह वर्ष में 1100 करोड़ 16 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इस तरह प्रतिवर्ष 183 करोड़ 36 लाख की राशि खर्च होगी। परियोजना की अवधि एक अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2027 तक की स्वीकृति प्रदान की।

यह प्रस्ताव भी मंजूर

- नए शासकीय आईटीआई की स्थापना जिला सिंगरौली के विकासखंड चितरंगी में होगी। आईटीआई के लिए कुल राशि 18 करोड़ 43 लाख रुपए खर्च होंगे। कुल 30 पदों के सृजन की स्वीकृति। चितरंगी में 06 ट्रेड्स शुरू होंगे।
- भारत ओमान रिफ इनरी लिमिटेड बीना के सहयोग से प्लांट से लगभग 500 मीटर दूरी पर 1000 बिस्तरीय अस्थायी कोविड अस्पताल के निर्माण और संचालन का अनुमोदन। प्रथम चरण में 200 बिस्तरीय अस्थायी कोविड अस्पताल को छह माह तक संचालन की अनुमति ।
- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय अधिनियम, 1991 की धारा में संशोधन के लिए महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विवि (संशोधन) विधेयक 2021 को मंजूरी।

अन्न उत्सव में शामिल होंगे दूसरे राज्यों के मंत्री-अफसर

कैबिनेट से पहले सीएम ने मंत्रियों को किया संबोधित

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सात अगस्त को प्रदेश में आयोजित होने वाला प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम राज्य शासन का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। अन्य राज्यों के मंत्री एवं अधिकारी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मप्र आ रहे हैं। जिस प्रकार क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों द्वारा कोरोना प्रबंधन और प्रदेश का टीकाकरण अभियान पूरे देश में चर्चा का विषय रहा उसी प्रकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आयोजित हो रहा अन्नोत्सव भी पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रयास यह है कि अन्नोत्सव देश में मिसाल बने। मुख्यमंत्री चौहान कैबिनेट की बैठक के पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को प्रदेश में भारी बारिश, बाढ़ तथा कोरोना संक्रमण के संबंध में ताजा जानकारी दी। इस दौरान चौहान ने कहा कि 07 अगस्त को प्रदेश की समस्त 25 हजार 435 उचित मूल्य दुकानों पर अन्नोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक दुकान पर 100 हितग्राहियों को बेग में राशन सामग्री का वितरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 07 अगस्त को सुबह 10 बजे आरंभ होने वाले इस कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 बजे वर्चुअली जुड़ेंगे। प्रभारी मंत्री अपने जिले में कार्यक्रम की तैयारियों के लिए आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करें।

सागर संभाग में बढ़ रहा संक्रमण

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण को लेकर प्रदेश में निरंतर सतर्कता की आवश्यकता है। सागर संभाग में प्रकरण बढ़ रहे हैं, यह चिंता का विषय है। प्रेजेंटेशन में जानकारी दी गई कि प्रदेश में 139 सक्रिय प्रकरण हैं। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 2 करोड़ 78 लाख लोगों को टीके का प्रथम डोज और 53 लाख व्यक्तियों को द्वितीय डोज लगाया जा चुका है।

इंदौर, भोपाल मेट्रो की बाधा जल्द करें दूर

सीएम ने अधोसंरचना समूह के प्रेजेंटेशन के दौरान कहा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आत्म-निर्भर मप्र के तहत अधोसंरचना सेक्टर में महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम दिया गया है। जन-कल्याण से जुड़े कार्यों की तेजी से पूर्णता सुनिश्चित की जाए। कोरोना के संकट के बाद भी आत्म-निर्भरता की दिशा में एक वर्ष से कम अवधि में विभिन्न समूहों ने बेहतर कार्य कर दिखाया है। आज यह आवश्यकता है कि प्रत्येक क्षेत्र में कुछ नवीन और अभिनव प्रयास किए जाएं। इंदौर और भोपाल में मेट्रो रेल परियोजना के कार्यों को मुख्यमंत्री ने गति के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल परियोजना के कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करते हुए जल्द से जल्द सुविधा विकसित की जाए। शीघ्र ही इस संबंध में पृथक बैठक में समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मंत्रालय में आत्म-निर्भर मप्र के रोडमैप के तहत गठित अधोसंरचना समूह के प्रस्तुतिकरण पर यह बात कही। चौहान ने कहा कि बजट संसाधनों के अनुरूप विकास, नवीन तकनीक, नए सोच और विभागों के सेटअप में आवश्यकतानुसार वृद्धि के उपायों पर अमल किया जाए। इससे निश्चित ही अधोसंरचना से जुड़ी जन-सुविधाओं को बढ़ाना आसान होगा। उन्होंने विभागवार प्रेजेंटेशन देखा।

बीओटी परियोजनाओं की समीक्षा

प्रेजेंटेशन में बताया गया कि प्रदेश में 200 सड़कों के साइंटिफिक ट्रेफिक सर्वे के लक्ष्य को लेकर कार्य प्रारंभ किया गया था। अब तक 82 सड़कों के यातायात सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण हो चुका है।10 साल से अधिक टोल पर संचालित सभी बीओटी परियोजनाओं की समीक्षा की जा रही है।

सिंचाई क्षमता बढ़ेगी: जल संसाधन विभाग के प्रेजेंटेशन में बताया गया कि 6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में चरणबद्ध सिंचाई क्षमता के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कार्य हो रहा है। मार्च 2021 तक 1.15 लाख हैक्टेयर में लक्ष्य प्राप्त किया गया है। कुल 5 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता के लिए इस वर्ष के अंत तक 8 हजार करोड़ की नई परियोजनाओं के कार्यों का आवंटन किया जा रहा है।

शहरों में बनेंगे तीन लाख आवास: प्रदेश के 378 शहरों में कम आय वर्ग के लोगों के लिए तीन लाख आवास इकाइयों का निर्माण होना है। मार्च 2021 तक 44,418 मकान बन गए हैं। प्रदेश के 49 शहरों में सीवरेज सिस्टम को कार्यशील बनाने के लिए मार्च 2021 तक सात शहरों में काम पूरा हो गया है। मार्च 2022 तक 9 शहरों में कार्य पूरा होगा। वर्ष 2023 के अंत तक 49 शहरों में कार्य पूर्ण किया जाएगा। प्रदेश के 41 शहरों में मार्च 2021 तक नल से जल प्रदाय के अतिरिक्त कार्य हुए हैं। मार्च 2022 तक 36 शहरों और दिसम्बर 2023 तक 100 शहरों तक यह सुविधा ले जाने का लक्ष्य है।

जहरीली शराब से मौत पर दोषी को भी मिलेगी...

हाल ही में मंदसौर में भी जहरीली शराब के सेवन से अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर जहरीली शराब के सेवन के मामले इंदौर और खंडवा जिले में भी सामने आए हैं। लिहाजा इस तरह के मामले लगातार बढ़ने के बाद अब जाकर राज्य सरकार जहरीली शराब बेचने और बनाने वालों के खिलाफ सख्ती करने जा रही है। अब तक केवल निर्देशों और कड़ी कार्रवाई की बातों के सहारे ही मामला चल रहा था।

शारीरिक नुकसान पर अधिकतम 14 वर्ष की सजा और 10 लाख जुर्माना: संशोधित विधेयक में धारा 49 -ए में कड़ा प्रावधान किया गया है, जिसमें जहरीली शराब से संबंधित अपराधों के लिए सजा का प्रावधान है। संशोधित विधेयक में मानवीय उपयोग के लिए जहरीला मदिरा सेवन से शारीरिक क्षति होने पर पहली बार में न्यूनतम 02 वर्ष और अधिकतम 08 वर्ष तक का कारावास और न्यूनतम दो लाख रुपए तक का जुर्माना तथा दूसरी बार अपराध करने पर न्यूनतम 10 वर्ष और अधिकतम 14 वर्ष तक का कारावास और न्यूनतम 10 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया है।

जहरीली शराब मिलने पर 10 वर्ष की सजा और पांच लाख जुर्माना

इसी तरह जहरीली शराब मिलने पर भी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकेगी। विधेयक में किए गए प्रावधानों के हिसाब से पहली बार में न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 6 वर्ष तक का कारावास और न्यूनतम एक लाख रुपए तक का जुर्माना तथा दूसरी बार अपराध करने पर न्यूनतम 06 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक का कारावास और न्यूनतम 05 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। किसी आबकारी अधिकारी द्वारा किसी भी ऐसे व्यक्ति को जो अधिनियम के तहत कर्त्तव्य पालन में बाधा डाले या हमला करे, उसे गिरफ्तार किया जा सकेगा।

महुआ की शराब को अब हैरिटेज मदिरा का दर्जा

प्रदेश में महुआ आधारित मदिरा को अब मुख्य धारा में लाया जाएगा। लंबे समय से इसकी कवायद चल रही थी। आखिरकार राज्य सरकार ने महुआ ने बनी शराब को लेकर भी नीति तय कर दी है। अब प्रदेश में महुआ से बनी शराब को हैरिटेज (पारंपरिक) मदिरा का दर्जा दिया जाएगा। कैबिनेट ने इसे भी मंजूरी दे दी है। महुआ से बनी शराब के नियंत्रित निर्माण एवं विक्रय के लिए विभाग द्वारा नियम निर्धारित किए जाएंगे। इससे महुआ से निर्मित मदिरा के लघु उद्योग प्रोत्साहित होंगे। अधिनियम में पहले से ही तय आदिवासियों के अधिकार सुरक्षित रखे जाएंगे। इससे अब आदिवासियों के खिलाफ कार्रवाई से उन्हें राहत मिल सकेगी।

अब पीडब्ल्यूडी बनाएगा एक करोड़ रुपए से अधिक लागत वाले भवन

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। एक करोड़ रुपए से अधिक लागत के सभी शासकीय भवन लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए जाएंगे। इस आशय के निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मंगलवार को जारी कर दिए गए हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत समस्त विभाग और उनके प्रशासकीय नियंत्रण में आने वाले विभागाध्यक्ष कार्यालय, संस्था, निगम और मंडल द्वारा सभी ऐसे भवनों का निर्माण कार्य जिनकी लागत एक करोड़ रुपए से अधिक है, लोक निर्माण विभाग की परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) से कराए जाने होंगे। इसके साथ ही यदि कोई विभाग अथवा उसके प्रशासकीय नियंत्रण की संस्था विशेष परिस्थितियों में लोक निर्माण विभाग के स्थान पर अन्य किसी निर्माण एजेंसी को एक करोड़ से अधिक लागत के भवन निर्माण का कार्य आवंटित करना चाहती है, तो संबंधित प्रशासकीय विभाग, लोक निर्माण विभाग के अभिमत सहित मुख्य सचिव के अनुमोदन उपरांत ही अग्रिम कार्यवाही कर सकेगी। यदि किसी विभाग अथवा उसके प्रशासकीय नियंत्रण की संस्था के पास स्वयं का पर्याप्त तकनीकि अमला हो तो वह उससे अपने विभाग के निर्माण कार्य किसी भी सीमा तक करा सकेंगे।

हटाए जा सकते हैं मंदसौर के कलेक्टर, एसपी

मंदसौर जहरीली शराब कांड को लेकर गठित कमेटी ने सीएम को रिपोर्ट सौंपी

भोपाल (एजेंसी)।

मंदसौर में जहरीली शराब से एक दर्जन लोगों की मौत के मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय कमेटी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को रिपोर्ट सौंप दी है। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट में इस कांड के लिए सीधे तौर पर प्रशासनिक और पुलिस अफसरों को जवाबदेह ठहराया गया है। इसके बाद अब जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को हटाए जाने की संभावना है।

हालांकि मंगलवार को मंदसौर कांड से संबंधित सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इतना ही नहीं घटना के बाद प्रशासन और पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए जिले में अवैध शराब का कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान कारोबार से जुड़े कई निर्माण को तोड़ दिया गया, लेकिन यह कार्रवाई जहरीली शराब कांड को लेकर नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए काफी साबित नहीं हुई। कुछ माह पहले मुरैना जिले में जहरीली शराब के सेवन से लगभग दो दर्जन लोगों की मौत के बाद आबकारी विभाग और गृह विभाग ने एडवायजरी जारी की थी, जिसमें ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और उन्हें चिन्हित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इन निर्देशों को प्रशासन और पुलिस ने नजरअंदाज किया, जिसके चलते यह घटना हुई।

बताया जा रहा है कि अब इस रिपोर्ट के बाद जिले के कलेक्टर-एसपी सहित अन्य अफसरों के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है। इस क्रम में उन्हें जिले से हटाया जा सकता है। यहां बता दें कि यह कमेटी अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा के नेतृत्व में गठित की गई थी। तीन सदस्यीय दल ने घटनास्थल का दौरा कर पूरी पड़ताल की थी। यह घटना प्रदेश के वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा के विधानसभा क्षेत्र में ही घटित हुई थी, जो कि सरकार के लिए भी शर्मिंदगी का विषय बन गई थी। इसलिए ही जांच के लिए आनन-फानन में टीम गठित की गई थी।

वन विहार के संचालक यादव को हटाया

26 वन अफसरों के तबादले

भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन ने मंगलवार को भारतीय वन सेवा के 26 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसमे सबसे चौंकाने वाला नाम वन विहार नेशनल पार्क के संचालक अजय कुमार यादव शामिल है। श्री यादव को 02 फरवरी 2021 को वन विहार नेशनल पार्क के संचालक के पद पर पदस्थ किया गया था। सिर्फ छह माह के कार्यकाल के बाद उनका तबादला नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण में कर दिया गया है।

श्री यादव के तबादले के पीछे वन विभाग के प्रमुख सचिव अशोक बर्णवाल की उनसे नाराजगी बताई जा रही है। श्री यादव के अलावा एपीसीसीएफ, सीसीएफ और डीएफओ के तबादला किए गए हैं। छह माह की अल्प अवधि में वन विहार नेशनल पार्क के संचालक के पद से हटाए गए अजय कुमार यादव के संबंध में बताया जा रहा है कि उन्होंने अपनी कार्यशैली के चलते प्रमुख सचिव अशोक बर्णवाल की नाराजगी मौल ली थी। श्री यादव ने वन विहार पार्क के काम को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने में रूचि नहीं ली। इस वजह से प्रमुख सचिव ने कई बार चेताया भी,लेकिन श्री यादव ने चेतवानी को हल्के में लिया था। हालांकि अब से कुछ दिन पहले अजय यादव ने प्रमुख सचिव अशोक बर्णवाल से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा था, लेकिन बात नहीं बनी और उनका तबादला कर दिया गया। उनके स्थान पर एचसी गुप्ता सीसीएफ अनुसंधान एवं विस्तार वृत्त भोपाल को संचालक वन विहार नेशनल पार्क पदस्थ किया है।

दूसरी ओर भोपाल के वनमंडल अधिकारी हरिशंकर मिश्रा का नाम भी चर्चा में है, उनको तीन साल की कार्यकाल अवधि पूर्ण होने पर स्थानांतारित कर राजधानी परियोजना प्रशासन में भेजा गया है। श्री शर्मा मुख्य वनसंरक्षक स्तर के अधिकारी नहीं है, इसके बाद उनकी पदस्थापना राजधानी परियोजना प्रशासन की गई है।

अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
अजीत श्रीवास्तव	एपीसीसीएफ कार्य आयोजना वन मुख्यालय	एपीसीसीएफ संरक्षण वन मुख्यालय
रमेश श्रीवास्तव	एपीसीसीएफ निगरानी एवं मूल्यांकन वन मु.	एपीसीसीएफ कैंपा वन मुख्यालय
अजय कुमार यादव	संचालक, वन विहार भोपाल	सीसीएफ,नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण
एचसी गुप्ता	सीसीएफ अनुसंधान एवं विस्तार वृत्त भोपाल	संचालक, वन विहार नेशनल पार्क
अशोक कुमार मिश्रा	सीसीएफ प्रशासन-एक वन मुख्यालय	क्षेत्र संचालक पेंच टाइगर रिजर्व
व्हीएस होतगी	डीएफओ भिंड सामान्य	उप वन संरक्षक वन मुख्यालय
बीएस बघेल	डीएफओ शाजापुर सामान्य	डीएफओ देवास उत्पादन
प्रशांत कुमार सिंह	उप वन संरक्षण वन मुख्यालय	डीएफओ खरगोन सामान्य
हरिशंकर मिश्रा	डीएफओ भोपाल	राजधानी परियोजना प्रशासन
आलोक पाठक	डीएफओ पश्चिम छिंदवाड़ा सामान्य	डीएफओ भोपाल सामान्य
गौरव चौधरी	डीएफओ बुरहानपुर सामान्य	डीएफओ उत्तर शहडोल सामान्य
बृजेंद्र श्रीवास्तव	डीएफओ उत्तर बालाघाट सामान्य	डीएफओ ग्वालियर सामान्य
प्रदीप मिश्रा	डीएफओ उत्तर सिवनी सामान्य	डीएफओ बुरहानपुर सामान्य
अब्दुल अलीम अंसारी	उप संचालक संजय टाइगर रिजर्व सीधी	डीएफओ अनूपपुर सामान्य
जामसिंह भार्गव	डीएफओ खरगोन सामान्य	डीएफओ शाजापुर सामान्य
डॉ. अंकुर अवधिया	उप वन संरक्षक वन मुख्यालय	डीएफओ भिंड सामान्य
अभिनव पल्लव	डीएफओ ग्वालियर सामान्य	डीएफओ उत्तर बालाघाट सामान्य
सुधांशु यादव	डीएफओ श्योपुर सामान्य	डीएफओ नौरादेही वनमंडल सागर
एमबी सिरसैया	उप संचालक पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी	डीएफओ बड़वाह सामान्य
चंदूसिंह चौहान	डीएफओ बड़वाह सामान्य	डीएफओ श्योपुर सामान्य
पीडी ग्रेबियाल	डीएफओ दक्षिण बैतूल सामान्य	डीएफओ नरसिंहपुर सामान्य
महेंद्र सिंह उइके	डीएफओ नरसिंहपुर सामान्य	डीएफओ दमोह सामान्य
जरांडे ईश्वर रामहरि	उप संचालक पन्ना टाइगर रिजर्व	डीएफओ पश्चिम छिंदवाड़ा सामान्य
नेहा श्रीवास्तव	डीएफओ दक्षिण शहडोल सामान्य	डीएफओ दक्षिण बालाघाट उत्पादन
अधर गुप्ता	डीएफओ उत्तर शहडोल सामान्य	उप संचालक पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी
पुनीत सोनकर	डीएफओ पूर्व मंडला सामान्य	डीएफओ दक्षिण पन्ना सामान्य

मंत्री पटेल ने केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर और मुख्यमंत्री चौहान का किया आभार व्यक्त

भोपाल । किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने किसानों के हित में निरंतर लिए जा रहे निर्णयों के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का प्रदेश के किसानों की ओर से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया है कि भारत सरकार ने एक लाख 13 हजार मीट्रिक टन ग्रीष्मकालीन मूंग की अतिरिक्त खरीदी के लिए अनुमति प्रदान कर दी है। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि पूर्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार की अनुमति उपरांत एक लाख 34 हजार मीट्रिक टन ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी की जा रही थी। अब भारत सरकार द्वारा एक लाख 13 हजार मीट्रिक टन अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी की अनुमति दी गई है। प्रदेश में किसानों से अब 2 लाख 47 हजार मीट्रिक टन मूंग खरीदी जायेगी। इससे किसानों द्वारा उत्पादित ज्यादातर मूंग का उपार्जन समर्थन मूल्य पर प्रदेश सरकार करेगी। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा पहली बार ग्रीष्मकालीन मूंग के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिये अनुमति प्रदान की गई। केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार के अनुरोध पर एक लाख 13 हजार मीट्रिक टन की अतिरिक्त अनुमति प्रदान कर किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। निःसंदेह इससे किसान लाभान्वित होंगे।

मंत्री बिसाहूलाल और डॉ. भदौरिया ने की अन्न उत्सव की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल । खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बिसाहूलाल सिंह और सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने मंत्रालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उत्सव में अन्य राज्यों से आने वाले अतिथियों के भ्रमण कार्यक्रम सहित अन्न उत्सव आयोजन की सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के संबंध में चर्चा की गई। मंत्री श्री सिंह और डॉ. भदौरिया ने व्यस्थाओं को समय पर सुनिश्चित करने के लिए जरूरी निर्देश भी दिए। प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न उत्सव 07 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विनोद कुमार ,अपर मुख्य सचिव सहकारिता अजीत केसरी , प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक उपभोक्ता संरक्षण फैज अहमद किदवई और अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रयास जरूरी : डॉ. कंवर

ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित

भोपाल (एजेंसी)। मप्र मानव अधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र मोहन कंवर ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रयास की आवश्यकता है।

पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए डॉ. कंवर ने कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए गुणवत्तापूर्ण परिवर्तन लाने के प्रयासों पर बल दिया जाना चाहिए।

इस सिलसिले में आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डीसी सागर ने सड़क सुरक्षा के उपायों के संबंध में प्रशिक्षण दिया। डॉ. राजश्री बजाज ने प्रशिक्षण के दौरान सड़क सुरक्षा में आपातकालीन देखभाल के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस एक दिवसीय प्रशिक्षण में

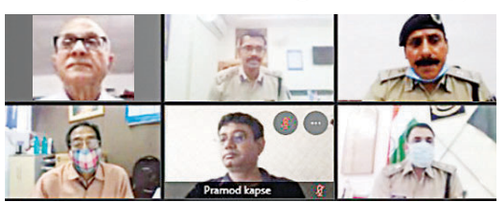

डॉ. कंवर ने पुलिस अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और उनसे होने वाली मृत्युओं पर अंकुश लगाने की रणनीति में परिवर्तन लाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि पुलिस और अन्य संबंधित विभागों में बेहतर समन्वय स्थापित कर यातायात प्रबंधन में उपयोगी परिवर्तन लाने का प्रयास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कनिष्ठ से लेकर वरिष्ठ समस्त पुलिस अधिकारियों को उनके क्षेत्र में यातायात प्रबंधन पर सीधे ध्यान देना चाहिए।

एडीजी सागर ने दी एप्रोप्रियेट रोड बिहेवियर, ट्रैफिक साइन और मार्किंग की जानकारी

एडीजी श्री सागर ने प्रशिक्षण के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए एप्रोप्रियेट रोड बिहेवियर, ट्रैफिक साइन और ट्रैफिक मार्किंग पर विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के तीसरे सत्र में डॉ. राजश्री बजाज ने आपातकालीन परिस्थिति में घायलों को तुरंत सहायता दिए जाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि घायलों को दुर्घटना-स्थल पर ही पारंपरिक तरीकों जैसे घायलों के रक्तस्त्राव को रोकने के लिए समय पर पट्टी बांधने तथा प्राथमिक उपचार मुहैया कराने पर लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने दुर्घटना के प्राथमिक कारणों को दूर करने पर भी जोर दिया, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

श्रद्धा कपूर

की पर्सनल चैट हुई लीक? फैंस के गुस्से के शिकार हुए पपराजी

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर (Shraddha Kapoor) को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब बहस छिड़ी हुई है. एक फोटो में एक्ट्रेस की व्हाट्सएप चैट सामने आई है, जिसमें वो किसी शख्स से प्यार भरी बाते करती नजर आ रही हैं. इस चैट के सामने आने के बाद लोग पपराजी को ट्रोल कर रहे हैं, साथ ही इस चैट को भी फेक बता रहे हैं.

श्रद्धा की पर्सनल चैट हुई लीक

श्रद्धा कपूर (Shraddha Kapoor) हाल ही में मुंबई में अपनी अपकमिंग फिल्म के सेट के बाहर स्पॉट हुईं. जिसकी कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं. इन फोटोज में श्रद्धा ब्लू कलर का ड्रेस पहनी हुई हैं और हाथ में मोबाइल लिए चैटिंग में व्यस्त नजर आ रही हैं. पपराजी ने श्रद्धा की फोटोज के साथ-साथ उनकी पर्सनल वाट्सऐप चैट्स की फोटोज भी वायरल कर दी हैं. अब श्रद्धा कपूर की इन पर्सनल चैट्स को लीक करने पर उनके फैंस पपराजी को जमकर ट्रोल कर रहे हैं.

फोन में बिजी थीं श्रद्धा

हालांकि सोशल मीडिया पर श्रद्धा कपूर (Shraddha Kapoor) की एक से ज्यादा तस्वीरें सामने आई हैं, हालांकि यह साफ नहीं है कि यह श्रद्धा कपूर की चैट है या फोटोशॉप्ड मीम. ब्लू ड्रेस में श्रद्धा कपूर को जब पपराजी ने कैमरे में कैद किया तो उनका पूरा ध्यान फोन पर लगा हुआ था. वो लगातार टाइपिंग कर रही थीं, ऐसे में उनका ध्यान इस बात पर नहीं गया कि शायद कैमरे की नजर फोन पर भी जा सकती है.

लोगों ने बताया फेक

कुछ यूजर ने फोटो को फेक बताते हुए बताया कि मोबाइल फोन और स्क्रीनशॉट एक दूसरे से मैच नहीं कर रहे. एक प्रशंसक ने बताया, व्हाट्सएप पर वनप्लस फोन और आईफोन थीम, वाईफाई, बैटरी साइन भी आईफोन का ही होता है.एक यूजर ने लिखा, अगर यह एक मजाक है (एडेटिड), तो ये एक बहुत बुरा मजाक है!! कृपया इस तरह किसी की पर्सनल लाइफ में दखल न दें. भरोसे के साथ स्टार्स फोटोग्राफर्स को नजदीक आने देते हैं.

श्रद्धा की फिल्में

श्रद्धा कपूर (Shraddha Kapoor) के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह श्रद्धा कपूर अगली बार रणबीर कपूर के साथ लव रंजन की अनटाइटल्ड वेंचर में दिखाई देंगी. इसके अलावा, वह विशाल फुरिया की फिल्म में रूप बदलने वाली नागिन की भूमिका निभाएंगी.

शिल्पा शेट्टी के सपोर्ट में आए Hansal Mehta, कहा- अच्छे वक्त में सब पार्टी करते हैं, लेकिन बुरे वक्त में..

राज कुंद्रा (Raj Kundra) की गिरफ्तारी के बाद शिल्पा शेट्टी (Shilpa Shetty) को लगातार ट्रोल किया जा रहा है. हालांकि अभी तक शिल्पा के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है. इसी बीच फिल्ममेकर हंसल मेहता (Hansal Mehta) एक्ट्रेस के सपोर्ट में उतर आए हैं. उन्होंने ऐसे वक्त में शिल्पा को अकेले छोड़ने की लोगों से अपील की है.

बिना फैसला आए लोग बताते हैं गुनहगार

हंसल (Hansal Mehta) ने हाल ही में एक ट्वीट किया, अगर आप शिल्पा के लिए खड़े नहीं हो सकते तो कम से कम उन्हें अकेला छोड़ दें. उन्हें प्राइवेसी दीजिए. ये बहुत गलत बात है कि बिना कोर्ट के फैसला आए लोग किसी को भी गुनहगार बता देते हैं.

बॉलीवुड सेलेब्स पर साधा निशाना

इसके बाद हंसल (Hansal Mehta) ने बाकी सेलेब्स पर निशाना साधा जो शिल्पा के सपोर्ट पर नहीं बोल रहे हैं. हंसल ने लिखा, अच्छे समय पर सभी साथ में आकर पार्टी करते हैं. बुरे वक्त पर सभी चुप हैं. बिना सच के पता चले पहले ही नुकसान हो जाता है.

कैरेक्टर पर करते हैं सवाल

हंसल (Hansal Mehta) ने आगे लिखा, अगर किसी सेलिब्रिटी के खिलाफ कोई आरोप लगता है तो लोग पहले से ही उनको लेकर फैसला सुना देते हैं. उनके करेक्टर पर सवाल खड़े करते हैं और फालतू की गॉसिप करते हैं. ये है चुप्पी की कीमत.

क्या है मामला

गौरतलब है कि इस साल फरवरी में पोर्नोग्राफी रैकेट केस का भंडाफोड़ मुंबई क्राइम ब्रांच के सामने हुआ था. जब क्राइम ब्रांच को पता चला कि इस केस के तार मशहूर बिजेनसमैन और शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा(Raj Kundra) से जुड़े हुए हैं तो इसकी जांच की जाने लगी. पांच महीने की जांच के बाद क्राइम ब्रांच को पुख्ता सबूत मिले जिसके आधार पर राज को गिरफ्तार किया गया.

दीपिका पादुकोण पति Ranveer Singh संग पहुंची अस्पताल, लोग GOOD NEWS पर करने लगे सवाल!

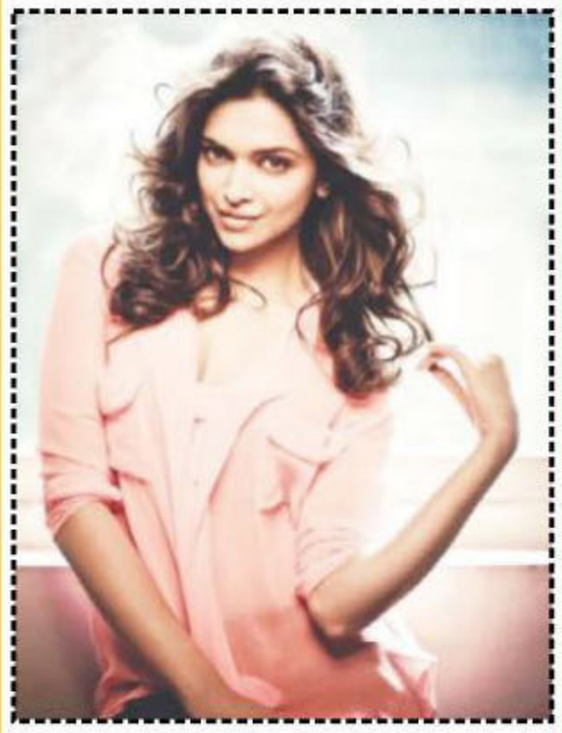

बॉलीवुड पावर कपल दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) और रणवीर सिंह (Ranveer Singh) हमेशा से लोगों की फेवरेट लिस्ट में शुमार हैं. हमेशा ही दोनों की तस्वीरें वायरल होती हैं. लेकिन आज दोनों की एक तस्वीर सामने आते ही उनके फैंस में खुशी की लहर छा गई. दरअसल, दोनों को साथ में हिंदुजा अस्पताल के बाहर देखा गया. सोशल मीडिया पर इस तस्वीर के सामने आते ही बधाईयों का सिलसिला शुरू हो गया है.

गुड न्यूज के लिए बेकरार फैंस

दरअसल, दीपिका आज अपने पति रणवीर के साथ मुंबई के हिंदुजा हॉस्पिटल पहुंचीं. ये तस्वीर इंस्टाग्राम पर सेलेब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर की, इस तस्वीर को देखते ही फैंस की उम्मीदें बढ़ गईं. लोग दीपिका की प्रैग्नेंसी को लेकर कयास लगाने लगे. एक दूसरे को बधाईयां भी देने लगे.

ऐसा है दोनों का लुक

इस तस्वीर में दीपिका पादुकोण (Deepika Padukone) और रणवीर सिंह (Ranveer Singh) एक कार में बैठे नजर आ रहे हैं. रणवीर ने रेड और पत्नी दीपिका ने व्हाइट कलर का मास्क पहना हुआ है और दोनों ही ब्लैक गॉगल्स लगाए दिख रहे हैं. अब इनके फैंस अस्पताल पहुंचने की वजह जानने के लिए बेकरार हो गए हैं.

ऐसे आ रहे कमेंट्स ये फोटो शेयर होते ही एक फैन ने कमेंट किया, लगता है दीपिका प्रेग्नेंट हैं. दूसरे ने विरल को ही बधाई दे दी कि वह मामा बनने वाले हैं. तो एक ने लिखा है बेटा सब ठीक ही है, नया सिंह आने वाला है तैयारियां करो बता दें कि इस बारे में अब तक कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है.

मेहंदी ना लगाने पर aid Darbar तोड़ने वाले थे रिश्ता, ऐन मौके पर

गौहर खान

ने यूं संभाली बात

एक्ट्रेस गौहर खान (Gauahar Khan) अक्सर अपने पति के साथ सोशल मीडिया पर वीडियोज और फोटोज पोस्ट करती रहती हैं. दोनों की केमिस्ट्री को खूब पसंद भी किया जाता है. पिछले साल दिसंबर में ही दोनों शादी के बंधन मे बंधे थे, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि प्यार में डूबे इस कपल की शादी जैद की जिद की वजह से रुकने वाली थी.

मेहंदी और रिश्ता

गौहर खान (Gauahar Khan) इन दिनों अपनी फिल्म 14 फेरे के प्रमोशन में लगी हुई हैं. फिल्म में उनके किरदार को खूब पसंद किया जा रहा है. फिल्म को लेकर दिए गए एक यूट्यूब इंटरव्यू में गौहर ने बताया कि कैसे उन्होंने शादी और अपने काम को मैनेज किया. कॉफी टाइम विद ग्रिहा में दिए गए एक इंटरव्यू में गौहर (Gauahar Khan) ने बताया कि कैसे जैद ऐन वक्त पर कह दिया था कि अगर वो अपने हाथ में मेहंदी नहीं लगाएंगी तो वो शादी नहीं करेंगे.

पति ने दिया साथ

एक्ट्रेस ने बताया कि शादी के वक्त जैद ने कहा था कि वो सब कुछ मैनेज कर लेंगे, सारे वर्क शेड्यूल मैनेज कर लेंगे. लेकिन अगर मैं अपने हाथ में मेहंदी नहीं लगाऊंगी तो वो यह शादी नहीं करेंगे. गौहर ने बताया कि शादी के बाद जैद मेरे साथ गए और मुझे शूट्स में अकेला नहीं छोड़ा. मेरे साथ अच्छी बात यह हुई कि शादी के आने के बाद मेरे सारे शूट्स मैरिज सीन के ही थे. इस वजह से मुझे मेहंदी वाले हाथों से कोई दिक्कत नहीं हुई.

गौहर और जैद का काम

आपको बता दें जैद दरबार एक कोरियोग्राफर हैं और यूट्यूब अपने डांसिंग वीडियोज शेयर करते रहते हैं. गौहर (Gauahar Khan) की हाल ही में फिल्म 14 फेरे रिलीज हुई है. इस फिल्म में विक्रांत मैसी और कृति खरबंदा ने लीड रोल प्ले किया है.

इससे पहले गौहर खान वेब सीरीज तांडव में दिखाई दी थीं. इस पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज में सैफ अली खान लीड रोल में थे. साथ ही सुनील ग्रोवर, तिग्मांशु धूलिया, डिंपल कपाड़िया, डिनो मोरिया और मोहम्मद जीशान अय्यूब ने भी इस सीरीज में अहम भूमिका निभाई थी.

बेल्जियम ने तोड़ा गोल्ड का सपना

टोक्यो ओलंपिकः भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 2-5 से हराया

टोक्यो। भारतीय हॉकी टीम का 41 साल बाद ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना मंगलवार को यहां बेल्जियम के हाथों अंतिम चार में 2-5 से करारी हार के साथ टूट गया लेकिन टोक्यो खेलों में टीम अब भी कांस्य पदक की दौड़ में बनी हुई है। जहां उसका मुकाबला गुरुवार को जर्मनी से होगा।

भारतीय टीम एक समय बढ़त पर थी लेकिन अंतिम 11 मिनट में तीन गोल गंवाने और अलेक्सांद्र हैंड्रिक्स (19वें, 49वें और 53वें मिनट) की हैट्रिक उस पर भारी पड़ गई। विश्व चैंपियन बेल्जियम की तरफ से हैंड्रिक्स के अलावा लोइक फैनी लयपर्ट (दूसरे) और जॉन जॉन डोहमेन (60वें मिनट) ने भी गोल किए। भारत की तरफ से हरमनप्रीत सिंह ने सातवें और मनदीप सिंह ने आठवें मिनट में गोल किए थे। बेल्जियम रियो ओलंपिक का रजत पदक विजेता है और उसने इस तरह से लगातार दूसरी बार ओलंपिक फाइनल में जगह बनायी है जहां उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय रक्षकों ने गलतियां की और लगातार तीन पेनल्टी कार्नर गंवाये। विश्व चैंपियन टीम को इसके बाद पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे हैंड्रिक्स ने आसानी से गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की। बेल्जियम की टीम इस ओलंपिक में अब तक सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम है। उसने सेमीफाइन सहित कुल 34 गोल किए हैं। यानी उसके तमाम खिलाड़ी इस समय बेहतरीन गोल स्कोरिंग फॉर्म में है। मैच के अंतिम मिनटों में भारत ने अपने गोलकीपर को हटाने और पिच पर एक अतिरिक्त अटैकर लगाने का फैसला किया, लेकिन यह उपयोगी साबित नहीं हुआ। इस बीच बेल्जियम के गोलकीपर वानास्च वी ने हरमनप्रीत के टोमहॉक का अच्छी तरह से डिफेंस किया और बेल्जियम ने पलटवार करते हुए अपना पांचवां गोल कर दिया और मैच पूरी तरह से अपने पक्ष में कर लिया।

भारत को अपने खिलाड़ियों पर गर्व है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि हार और जीत जीवन का हिस्सा है और देश को अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। प्रधानमंत्री ने ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के सेमीफाइनल मुकाबले में बेल्जियम के साथ रोमांचक और कड़े संघर्ष वाले मैच ने मिली हार के बाद यह बात कही। मोदी ट्वीट कर कहा, हार और जीत जीवन का हिस्सा होती है। हमारी हॉकी टीम ने ओलंपिक में अपना अच्छा प्रदर्शन किया और इसी बात का महत्व है। टीम को उसके अगले मैच के लिए शुभकामनाएं। भारत को अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर कहा, टोक्यो ओलंपिक में सेमीफाइनल में पुरुष हॉकी टीम के बेल्जियम से हारने पर दिल छोटा करने की जरूरत नहीं है। उनके अगले मैच के लिए मेरी शुभकामनाएं।

मेडल राउंड में नहीं पहुंच सके तजिंदरपाल सिंह तूर

भारत के तजिंदरपाल सिंह तूर टोक्यो ओलंपिक के एथलेटिक्स मुकाबलों की पुरुष शॉट पुट स्पर्धा में मंगलवार को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कोसों दूर रहे और मेडल राउंड में नहीं पहुंच सके। 26 वर्षीय तूर तीन प्रयासों में सिर्फ एक थ्रो ही सही फेंक पाए जबकि उनकी दो अन्य थ्रो फाउल रहीं। उनकी एकमात्र वैध थ्रो 19.99 मीटर की थी जबकि टॉप 12 एथलीटों ने फाइनल राउंड में जगह बनानी थी । तूर अपने ग्रुप में 13वें स्थान पर रहे। तूर का दूसरा और तीसरा प्रयास फाउल रहे। 31 एथलीटों (ग्रुप ए में 16 और ग्रुप बी में 15) में से टॉप 12 ने फाइनल राउंड में जगह बनानी है। इस स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के लिए स्वतः क्वालिफिकेशन मार्क 21.20 मीटर था। तूर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21.49 मीटर रहा है जो उन्होंने इस वर्ष के शुरू में हासिल किया था लेकिन वह अपने इस प्रदर्शन के आसपास भी नहीं पहुंच सके।

ओलंपिक में भारत के आज के मुकाबले

- **एथलेटिक्स:** पुरुष जैवलिन थ्रो क्वॉलिफिकेशन- ग्रुप ए - नीरज चोपड़ा
पुरुष जैवलिन थ्रो क्वॉलिफिकेशन- ग्रुप बी - शिवपाल सिंह
- **मुक्केबाजी:** महिला वेल्टरवेट (69 किग्रा) सेमीफाइनल- लवलीना बोरगोहेन बनाम बुसेनाज सुरमेनेली
- **गोल्फ:** महिला राउंड 1- अदिति अशोक
महिला राउंड 1-दीक्षा डागर
- **रेसलिंग:** रवि कुमार दहिया - पुरुष 57 किग्रा, फ्रीस्टाइल
अंशु मलिक - महिला 57 किग्रा, फ्रीस्टाइल
दीपक पुनिया - पुरुष 86 किग्रा, फीस्टाइल
- **हॉकी:** महिला सेमीफाइनल- अर्जेंटीना बनाम भारत

बेल्जियम ने पेनल्टी कार्नर पर दागे चार गोल

सेमीफाइनल में हार के लिए भारतीय टीम ही दोषी रही क्योंकि बेल्जियम ने चार गोल पेनल्टी कार्नर पर किए। विश्व चैंपियन टीम ने भारतीय रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाए रखा और 14 पेनल्टी कार्नर हासिल किए जिनमें से चार को उसने गोल में बदला। बेल्जियम की शुरू से ही रणनीति स्पष्ट थी कि भारतीय सर्कल में घुसकर पेनल्टी कार्नर हासिल करना है क्योंकि उसके पास हैंड्रिक्स और लयपर्ट के रूप में दो पेनल्टी कार्नर विशेषज्ञ हैं। उन्होंने अपनी इस रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया तथा हैंड्रिक्स और लयपर्ट ने भी उन्हें निराश नहीं किया। भारत ने भी पांच पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन इनमें से वह केवल एक पर ही गोल कर पाया।

निराश होने का समय नहीं, कांस्य पदक के मुकाबले पर ध्यान लगाना होगा: मनप्रीत

बेल्जियम के खिलाफ ओलंपिक सेमीफाइनल में हार निराशाजनक है लेकिन पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह और स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा कि टीम के पास इस दिल तोड़ने वाली हार के बारे में सोचने का समय नहीं है क्योंकि उन्हें गुरुवार को होने वाले कांस्य पदक के प्ले आफ मुकाबले पर ध्यान लगाना होगा। मनप्रीत ने हार के बाद कहा, मेरे लिए अभी चीजें आसान नहीं हैं क्योंकि हम जीतने की मानसिकता के साथ आए थे लेकिन दुर्भाग्य से हम मैच जीत नहीं पाए। अब हमें कांस्य पदक के मुकाबले पर ध्यान लगाने की जरूरत है और हमें यह पदक जीतने की जरूरत है। उन्होंने कहा, लंबे समय के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाना हमारे लिए सम्मान की बात है लेकिन मुझे लगता है कि अब हमें एकाग्र होने की जरूरत है क्योंकि अगला मैच हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। हम देश के लिए कांस्य पदक जीत सकते हैं। श्रीजेश भी कप्तान से सहमत हैं और उन्होंने कहा कि बेल्जियम के खिलाफ हार अब अतीत की बात है और टीम को यहां से पदक जीतकर लौटने पर ध्यान देने की जरूरत है।

ओलंपिक पदार्पण पर शुरुआती मुकाबले में हारी सोनम मलिक

मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू के खिलाफ करना पड़ा हार का सामना

टोक्यो। युवा भारतीय पहलवान सोनम मलिक को मंगलवार को यहां ओलंपिक में पर्दापण करते हुए महिला 62 किग्रा वर्ग के पहले दौर के मुकाबले में ही मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। उन्नीस साल की सोनम दो पुश-आउट अंक जुटाकर 2-0 से आगे चल रही थी लेकिन एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता खुरेलखू ने भारतीय पहलवान को गिराकर दो अंक हासिल करते हुए बराबरी हासिल कर ली जबकि मुकाबले में सिर्फ 35 सेकेंड का खेल बचा था। इसके बाद अंत तक स्कोर 2-2 रहा लेकिन मंगोलिया की पहलवान को अंतिम अंक जुटाने के कारण विजेता घोषित किया गया। दो बार की कैडेट विश्व चैंपियन (2017, 2019) सोनम ने अप्रैल में अल्माटी में एशियाई क्वॉलीफायर के फाइनल में जगह बनाकर तोक्यो खेलों के लिए क्वॉलीफाई किया था। बुधवार को रवि दाहिया (57 किग्रा फ्रीस्टाइल), दीपक पूनिया (86 किग्रा, फ्रीस्टाइल) और अंशु मलिक (57किग्रा, महिला वर्ग)भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे।

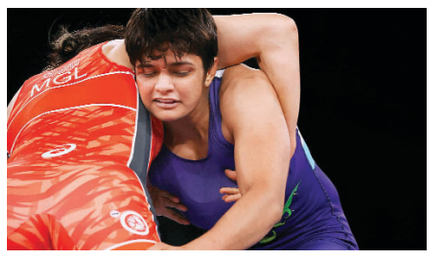

सोनम ने अति रक्षात्मक रवैया अपनाकर गलती की: अजमेर

सोनम के कोच अजमेर मलिक ने कहा, निश्चित तौर पर सोनम मंगोलियाई खिलाड़ी की तुलना में बेहतर पहलवान थी लेकिन उसने अति रक्षात्मक रवैया अपनाकर गलती की। यह गलती थी। उसे हालांकि बड़े मंच पर खेलने का अनुभव मिला।

महिला भाला फेंक के फाइनल में नहीं पहुंच सकी अनु रानी

भारत की महिला भाला फेंक एथलीट अनु रानी ने निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए फाइनल राउंड में नहीं पहुंच सकी और ग्रुप ए क्वालिफिकेशन राउंड में 15 थ्रोवर्स के बीच 14 वें स्थान पर रही। 2014 एशियाई खेलों की कांस्य विजेता अनु ने 50.35 मीटर, 53.19 मीटर और 54.04 मीटर के थ्रो फेंके और वह अपने ग्रुप में 15 थ्रोवर्स के बीच 14वें स्थान पर रहीं। पोलैंड की मारिया ने अपने पहले प्रयास में 65.25 मीटर तक भाला फेंका जो उन्हें 63 मीटर के क्वालिफिकेशन मार्क से आगे पहुंचाने और क्वालीफाई कराने के लिए काफी था। रानी इस स्वतः क्वालिफिकेशन मार्क से काफी दूर रही। रानी के प्रयास उनके 63.24 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी दूर थे।

पहली बार ओलंपिक में ट्रांसजेंडर

न्यूजीलैंड की वेटलिफ्टिर लॉरेल ने रचा इतिहास

टोक्यो। ओलंपिक में न्यूजीलैंड की वेटलिफ्टिर लॉरेल हब्बार्ड ने प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेकर नया इतिहास रचा है। वह ओलंपिक खेलों के इतिहास में हिस्सा लेने वाली पहली ट्रांसजेंडर खिलाड़ी बन गई हैं। हालांकि हब्बार्ड 15 वर्षों तक खेलों से दूर रही थीं।

चार साल पहले ही उन्होंने वापसी की है। लॉरेल हब्बार्ड ने सोमवार रात 87.किलोग्राम कैटेगरी की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। लॉरेल हब्बार्ड 43 साल की उम्र में ओलंपिक में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज वेटलिफ्टर रहीं जो तीन प्रयासों में लिफ्टों को पूरा नहीं कर सकी। जिसकी वजह से वे प्रेतियोगिता से तो बाहर हो गई। लेकिन इसके बाद भी वे एक जीते हुए खिलाड़ी की तरह खुश नजर आई। इस प्रतियोगिता को चीन की ली वेनवेन ने जीता। हब्बार्ड ने प्रतियोगिता के मैदान से बाहर निकलने से पहले दर्शकों का अभिवावदन किया। हब्बार्ड ने कहा कि बेशक मैं उस विवाद से पूरी तरह अनजान नहीं हूं जो इन खेलों में मेरी भागीदारी को लेकर है। मैं आईओसी का धन्यवाद देना चाहती हूं। हब्बार्ड ने ने अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारोत्तोलन एक ऐसी खेल है जो दुनिया के सभी लोगों के लिए खुला है इसके साथ ही उन्होंने जापान के लोगों को कोविड-19 महामारी के दौरान असाधारण परिस्थितियों में खेलों की मेजबानी करने के लिए धन्यवाद दिया।

न्यूजीलैंड की कैरिंगटन का कयाक स्प्रिंट में गोल्डन डबल

क्यूबा ने उलटफेर करते हुए पुरुषों के डबल 1000 में सोने का तमगा जीता

टोक्यो । न्यूजीलैंड की लीसा कैरिंगटन ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलंपिक में मंगलवार को यहां कयाक स्प्रिंट की दो रेस में आसान जीत के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किए जबकि क्यूबा ने उलटफेर करते हुए पुरुषों के डबल 1000 में सोने का तमगा जीता।

कैरिंगटन चार स्पर्धाओं में पदक की प्रबल दावेदार के रूप में टोक्यो पहुंची थी। उन्होंने सिंगल 200 में अपना लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। इस स्पर्धा में उन्होंने 2012 से ही ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में अपना दबदबा बनाये रखा है। इसके एक घंटे बाद उन्होंने कैटलिन रीगल के साथ जोड़ी बनाकर डबल 500 में भी स्वर्ण पदक जीता। उन्हें अभी सिंगल 500 और फोर्सज स्पर्धाओं में भी भाग लेना है। क्यूबा ने पुरुषों की कैनोइ डबल 1000 का स्वर्ण पदक जीतकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया। जर्मनी ने पिछले सात में से पांच ओलंपिक में इसका खिताब जीता था और यहां भी उसे स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। क्यूबा सर्गेई टोरेस मैडरिगाल और फर्नांडो डायन जार्ज एनरिक्ज ने शानदार प्रदर्शन किया तथा चीन को 0.2 सेकेंड से पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक हासिल किया। जर्मनी को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा।

खेल मंत्री ने सिंधु को सम्मानित किया

कार्यक्रम में मौजूद थे सिंधु के माता-पिता भी

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने के बाद स्वदेश लौटने पर मंगलवार को शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु को सम्मानित किया।

एक गर्मजोशी भरे समारोह में सिंधु और उनके कोच पार्क ताए सांग का अभिनंदन करने के लिए ठाकुर के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू, खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। सिंधु के माता-पिता पी विजया और पीवी रमना कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए हैदराबाद

से नई दिल्ली पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में सांसद श्याम बापू राव, बंदी संजय कुमार, अरविंद धर्मपुरी और टी.जी. वेंकटेश भी उपस्थित थे। ठाकुर ने इस अवसर पर कहा, पी वी सिंधू भारत की महानतम ओलंपिक खिलाड़ियों में से एक हैं। वह भारत की प्रतीक, प्रेरणा हैं और उन्होंने देश के लिए खेलने का सपना देखने वाले हर भारतीय की कल्पना में अपनी जगह बना ली है। उनकी अविश्वसनीय उपलब्धि- लगातार दो ओलंपिक खेलों में दो ओलंपिक पदक जीतना, नवोदित एथलीटों की एक पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उनकी सफलता से पता चलता है कि कैसे सरकार की लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना ने हमारे ओलंपिक के संभावित खिलाड़ियों को पोडियम फिनिश की ओर अग्रसर किया है। टोक्यो ओलंपिक के लिए रवाना होने से ठीक पहले, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत की और उनकी जीत के ठीक बाद वह उन्हें फोन करने और बधाई देने वाले पहले व्यक्ति थे। 130 करोड़ भारतीयों का देश उनके शानदार प्रदर्शन से रोमांचित है।

बिलेस ने जिम्नास्टिक स्पर्धा में वापसी कर कांस्य जीता

टोक्यो । अमेरिका की दिग्गज जिम्नास्ट सिमोन बिलेस ने टोक्यो ओलंपिक की स्पर्धा में वापसी करते हुए मंगलवार को बैलेंस बीम के फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण और रजत चीन के खिलाड़ियों के नाम रहा। गुआन चेनचेन ने स्वर्ण जबकि तैंग शिजिंग ने रजत पदक जीता। एक सप्ताह पहले मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने का हवाला देते हुए कुछ स्पर्धाओं से हटने का फैसला करने के बाद उन्होंने मंगलवार को वापसी का मन बनाया। उन्होंने कुल 14 अंक प्राप्त किये जो कांस्य जीतने के लिए काफी था। शीर्ष के दोनों जिम्नास्टों ने क्रमशः 14.633 और 14.233 अंक हासिल किए।

वारहोम ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता गोल्ड

टोक्यो । नार्वे के कार्सटन वारहोम ने मंगलवार को टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दो बार के विश्व चैंपियन ने फाइनल में 45.94 सेकेंड का समय निकाला। इस दौड़ को पूरी करने वाले सात में से छह धावकों ने क्षेत्रीय या राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। वारहोम ने इससे पहले एक जुलाई को ओस्लो में 46.70 सेकेंड के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया था और अब उन्होंने अपने इस रिकॉर्ड में ही सुधार किया है। अमेरिका के राइ बेंजामिन ने 46.17 सेकेंड के साथ सिल्वर और ब्राजील के एलिसन डोस सांतोस ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इससे पहले महिलाओं की लंबी कूद में जर्मनी की मलाइका मिहाम्बो ने अपने आखिरी प्रयास में सात मीटर की कूद लगाकर गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने अमेरिका की ब्रिटनी रीस को पीछे छोड़ा। रीस ने लंदन 2012 में गोल्ड मेडल जीता था लेकिन रियो के बाद उन्हें टोक्यो में भी सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

लवलीना के मुकाबले के मद्देनजर बुधवार को 30 मिनट के लिए स्थगित किया जाएगा असम विधानसभा सत्र

गुवाहटी। टोक्यो ओलंपिक में लवलीना बोर्गोहेन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान बुधवार को असम विधानसभा सत्र 30 मिनट के लिए स्थगित किया जाएगा। महिला वेल्टरवेट वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की निएन-चिन चेन को हराकर भारत के लिए एक और ओलंपिक पदक सुनिश्चित करने वाली लवलीना बुधवार को टोक्यो ओलंपिक में वेल्टरवेट महिला मुक्केबाजी सेमीफाइनल में विश्व चैंपियन तुर्की की बुसेनाज सुरमेनेली से भिड़ेंगी। उल्लेखनीय है कि दो बार की विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोर्गोहेन असम की पहली महिला मुक्केबाज हैं जिसने ओलंपिक के लिए क्वॉलीफाई किया है।

भारत-इंग्लैंड सीरीज के दौरान इन दिग्गजों को मिली अंग्रेजी कमेंट्री की जिम्मेदारी, दो पूर्व भारतीय क्रिकेटर शामिल

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच बहुचर्चित टेस्ट सीरीज की शुरुआत बुधवार 4 अगस्त से होने जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला नॉटिंघम में होने जा रहा है। पांच मैचों की इस सीरीज को लेकर काफी चर्चा हो रही है। टीम इंडिया को इस यहां सीरीज जीतने का दावेदार माना जा रहा है। इस पूरी सीरीज के दौरान भारत में प्रसारित होने वाले मैच की लाइव कमेंट्री हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषा में की जाएगी। मैच से पहले कमेंट्री पैनल में शामिल तमाम दिग्गजों को नाम को जारी किया गया। भारत में सीरीज के लाइव प्रसारण के अधिकार सोनी ने हासिल किए हैं।

भारतीय टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत बुधवार 4 अगस्त से करेगी। इस सीरीज के दौरान दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर रहने की उम्मीद है। जोश को बढ़ाने के लिए हिन्दी और अंग्रेजी में जो कमेंट्री पैनल होगा उसमें शामिल सितारों के नाम सामने आ गए हैं। अंग्रेजी में कमेंट्री करने वाले पैनल में 7 पूर्व दिग्गजों को शामिल किया गया है। इसमें से दो पूर्व भारतीय क्रिकेटर के नाम भी हैं।

अंग्रेजी पैनल में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक, नासिर हुसैन और माइक आर्थटन को चुना गया है।

वहीं भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और संजय मांजरेकर भी इस अंग्रेजी कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। हर्षा भोगले जो क्रिकेट एक्सपर्ट हैं उनको भी पैनल में रखा गया है। हिन्दी की बात करें तो यहां इसमें पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग के साथ आशीष नेहरा, मोहम्मद कैफ, अजीत अगरकर, विवेक राजदान और अजय जडेजा का नाम शामिल है।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच 4 से 8 अगस्त के बीच नॉटिंघम में खेला जाना है। दूसरा मुकाबला लॉर्ड्स में 12 से 16 अगस्त से बीच खेला जाएगा। इसके बाद तीसरे मुकाबलो के लीड्स में 25 से 29 अगस्त के बीच कराया जाना है। चौथा मुकाबला 2 सितंबर से 6 सितंबर के बीच ओवर में होगा जबकि आखिरी मैच मैनचेस्टर में 10 से 14 सितंबर के बीच खेला जाएगा।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट आज

कप्तान कोहली की अंतिम एकादश चुनने की परीक्षा

नॉटिंघम। विराट कोहली के कप्तानी करियर के सबसे कड़े चार महीनों की शुरुआत यहां बुधवार को होगी जब इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के लिए परिपूर्ण भारतीय टीम संयोजन चुनने की उनकी रणनीति की परीक्षा होगी।

कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए अंतिम एकादश की घोषणा मैच से कुछ दिन पहले ही कर दी थी और परिस्थितियों का सम्मान नहीं करने के लिए उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा था। बुधवार को टीम का संतुलन बनाने के लिए कोहली को काफी सोच-विचार करना होगा। भारत का निचला क्रम काफी लंबा है जो अधिकतर रन बनाने में नाकाम रहता है। टीम के पास सिर्फ दो सलामी बल्लेबाज हैं जिसमें से रोहित शर्मा काफी सक्षम हैं लेकिन इंग्लैंड की परिस्थितियों में उन्होंने टेस्ट मैचों में पारी का आगाज नहीं किया है। दूसरे सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल बेहद प्रतिभाशाली हैं लेकिन पारी की शुरुआत में हिचकिचाते हैं। राहुल ने टेस्ट में 2000 से अधिक रन बनाए और मयंक अग्रवाल के सिर में चोट लगने के बाद रोहित के जोड़ीदार के रूप में राहुल तार्किक पसंद है। इसके अलावा टीम को हार्दिक पंड्या की कमी खलेगी और साथ ही दो विशेषज्ञ स्पिनरों की उपयोगिता पर भी सवाल उठ सकते हैं। हनुमा विहारी पर भी नजरें होंगी जो ऑस्ट्रेलिया में एक बार नई गेंद का सामना कर चुके हैं। विहारी की ऑफ स्पिन गेंदबाजी और

रविचंद्रन अश्विन की मौजूदगी में टीम में शार्दुल ठाकुर के खेलने का मौका बन सकता है और गेंदबाजी आलराउंडर के रूप में उन्हें अनुभवी रविंद्र जडेजा पर तरजीह मिल सकती है। मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ हैं लेकिन उनकी उम्र बढ़ रही है। जसप्रीत बुमराह 2019 में कमर के स्ट्रेस फ्रेक्चर के बाद टेस्ट गेंदबाज के रूप में पहले जैसी सफलता हासिल नहीं कर पाए लेकिन पिछली श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन से उन्हें शुरुआती टेस्ट में खेलने का मौका मिल सकता है।

सूर्यकुमार यादव और पृथ्वी शॉ इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना

भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और ओपनर पृथ्वी शॉ इंग्लैंड में विराट कोहली एंड कंपनी के साथ जुड़ने के लिए मंगलवार को इंग्लैंड रवाना हो गए। भारतीय टीम मेजबान इंग्लैंड के साथ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। सूर्यकुमार ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर दी। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने वाले सूर्यकुमार ने ट्विटर पर फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, अगला पड़ाव इंग्लैंड। ओपनर शुभमन गिल, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर और अवेश खान के चोटिल होने के बाद सूर्यकुमार और युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को इंग्लैंड से बुलावा आया था।